दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....
internalnews@gmail.com
www.internalnews.com
वर्ष : 11 | अंक : 23 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, शनिवार 19 अप्रैल 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सूविचार

ईश्वर की राह पर जब कोई एक कदम बढ़ाता है, तो ईश्वर उसे थामने के लिए सौ कदम बढ़ाता है।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं को बहुत कष्ट सहना पड़ा है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने मालदा जिले के एक आश्रय गृह में मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैंने शिविर में महिलाओं और बच्चों से मुलाकात की और उन्होंने मेरे साथ अपने अनुभव साझा किए। महिलाओं को बहुत कष्ट सहना पड़ा है, उनके घर जला दिए गए, उन्हें बलपूर्वक उनके घरों से निकाल दिया गया, उनके साथ यौन उत्पीड़न भी किया गया। उन्होने आगे कहा कि महिलाओं के प्रति सभी को संवेदनशील होना चाहिए और यह संवेदनशीलता ही महिलाओं को न्याय दिला सकती है। इस तरह की स्थिति तब पैदा होती है जब संवेदनशीलता का अभाव होता है। विजया रहाटकर ने कहा कि हम उनकी सुरक्षा के लिए तब तक काम करेंगे जब तक उन्हें यह नहीं मिल जाता। हम इन सभी महिलाओं के लिए बहुत चिंतित हैं, और हम चाहते हैं कि उन्हें उचित आश्रय मिले। हम पीड़ित महिलाओं से बात करेंगे, हम उनके साथ चर्चा करेंगे। वहीं, बंगाल रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था कि यहां भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद यहां की महिलाएं बहुत डरी हुई हैं। एनसीडब्ल्यू ने इस पर संज्ञान लिया है और हमने एक जांच समिति गठित की है। मैं भी जांच समिति का हिस्सा हूं। अगले तीन दिनों में हम इन (हिंसा प्रभावित) इलाकों में जाएंगे। हम मालदा और मुर्शिदाबाद जाएंगे। हम वहां पीड़ित महिलाओं से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।

ईडी ने जब्त की जगन मोहन रेड्डी की जमीन, 14 साल पुराने मामले में बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। मामला दर्ज होने के एक दशक से अधिक समय बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और डालमिया सीमेंट्स (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) की 405 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है। हालांकि, डीसीबीएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि संपत्ति का मौजूदा मूल्य 793.3 करोड़ रुपये है। ईडी की हैदराबाद इकाई ने 31 मार्च को कुर्की का आदेश जारी किया, जो 15 अप्रैल को डीसीबीएल को प्राप्त हुआ। यह मामला जगन के सीएम बनने से पहले उनके शुरुआती कारोबारी वर्षों के दौरान कथित तौर पर किए गए क्विड प्रो क्वो निवेश की 2011 की सीबीआई जांच से उपजा है। इन संपत्तियों में जगन द्वारा कार्मेल एशिया होल्डिंग्स, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज और हर्षा फर्म सहित कई फर्मों में रखे गए 27.5 करोड़ रुपये के शेयर शामिल हैं। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में डीसीबीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि जिसका मूल मूल्य 377.2 करोड़ रुपये था को भी जब्त कर लिया गया।

पार्टियों को तोड़ने और पुराने मामलों का पता लगाने के लिए हो रहा पुलिस का इस्तेमाल

मुंबई। पुलिस का उपयोग प्रतिद्वंद्वी सियासी दलों को तोड़ने और उनके खिलाफ पुराने मामलों को खोलने के लिए किया जा रहा है। पुलिस को काम करने की पूरी आजादी दी जानी चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने यह बात क्राइम रिपोर्टर प्रभाकर पवार की किताब %थरार% के विमोचन के मौके पर कही। ठाकरे ने कहा, कांग्रेस के समय (शासनकाल में) पुलिस शिवसैनिकों को धमकी देती थी कि कांग्रेस में शामिल हो जाइए, वरना उन पर आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधि अधिनियम (टाडा) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। यह बात अब भी हो रही है। पुलिस को इस्तेमाल राजनीतिक दलों को तोड़ने या पुराने मामलों का पता लगाने और प्रतिद्वंद्वी दलों को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। क्या इसका अंत होगा? उन्होंने कहा कि अगर पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के अनुचित आदेशों को मानेगी तो इससे अराजकता पैदा होगी। उद्धव ठाकरे ने इस हफ्ते शहर में पानी की कमी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं की ओर से किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र किया और कहा कि पुलिस को इसलिए तैनात किया गया था, ताकि वे विरोध प्रदर्शन न कर सकें। पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर सत्तारूढ़ दल यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का उपयोग करते हैं कि शहर में पानी की कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन न हो तो लोगों को क्या करेंगे। बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की हत्या का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि इस कृत्य में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने आदेश जारी किया था। इस महीने की शुरुआत में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी शिंदे की हिरासत में मौत के मामले में पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी का आदेश दिया था, जिन्होने कथित तौर पर शिंदे को पुलिस वाहन में गोली मारकर हत्या कर दी थी, साथ ही एक एसआईटी गठित करने का भी आदेश दिया था।

गांधीसागर अभयारण्य की जलवायु चीतों के लिए अनुकूल, 20 अप्रैल को छोड़े जाएंगे चीते : मुख्यमंत्री

कूनो को बनाएंगे एक आदर्श वन्य पर्यटन स्थल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। वन्य पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था को गति देता है और अब यही हमारी समृद्धि का प्रवेश द्वार बन रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा।

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव के साथ की चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के साथ मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों द्वारा यह जानकारी दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत (मध्यप्रदेश) में जन्में चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। दूसरे देशों में चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। चीतों के लिए जरूरी जलवायु और वातावरण की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नेचर टूरिज्म सेक्टर में निहित असीम संभावनाओं को एक्सप्लोर करेगी। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को वन्य पर्यटन से जोड़ेंगे। चीता मित्र और महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को टूरिस्ट गाईड भी बनाएंगे, कूनो परिक्षेत्र में राज्य आजीविका विकास मिशन से दीदी कैफे संचालित किए जाएंगे, जिससे चीता मित्रों और महिलाओं को स्थानीय रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की धरती पर चीतों के पुनर्वास से एक सदी का इंतजार खत्म हुआ है। राज्य सरकार किंग कोबरा, घड़ियाल और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार किंग कोबरा संरक्षण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के जंगलों में जहरीले सांपों की संख्या नियंत्रित करने के लिए किंग कोबरा को बसाना आवश्यक है। पहले चरण में 10 किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाने पर विचार हो रहा है।

राहुल ने कर्नाटक के सीएम को लिखा पत्र, वेमुला एक्ट नाम लागू करने मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर राज्य सरकार से रोहित वेमुला एक्ट नाम से एक कानून बनाने का आग्रह किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षा प्रणाली में किसी को भी जाति-आधारित भेदभाव का सामना न करना पड़े। कर्नाटक के सीएम को लिखे अपने पत्र में गांधी ने बीआर अंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में हुए भेदभाव को उजागर किया। राहुल ने एक्स पर लिखा कि हाल ही में संसद में मेरी मुलाक़ात दलित, आदिवासी और OBC समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही वह साधन है जिससे वंचित भी सशक्त बन कर जातिभेद को तोड़ सकते हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी लाखों छात्र हमारी शिक्षा व्यवस्था में जातिगत भेदभाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसी भेदभाव ने रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार छात्रों की जान ली है।

महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य करने पर भड़के संजय राउत, मराठी राज्य की भाषा, राजनीति कर रहे फडणवीस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कर दी है। हालांकि, इस फैसले ने भाषा पर बहस को फिर से हवा दे दी है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस कदम का विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फडणवीस भाषा की राजनीति करना चाहते हैं। मराठी यहां राज्य की भाषा है। सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं। रोजगार, उद्योग और वाणिज्य में मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए। संजय राउत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भाषा का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया। राउत ने तर्क दिया कि हिंदी फिल्म उद्योग मुंबई में केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदी गाने गाते हैं और हिंदी फिल्में देखते हैं। फिर भी आप हमें हिंदी थोपने और सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या पूर्वोत्तर जैसे राज्यों को हिंदी की जरूरत है। वहां हिंदी को अनिवार्य बनाएं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मराठी बोली जानी चाहिए। उन्होंने भाजपा नेताओं पर मराठी भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राउत ने पूछा, घाटकोपर की भाषा गुजराती है, यह कहने वाले भाजपा नेता के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? मराठी को महाराष्ट्र के हर स्कूल में अनिवार्य किया जाना चाहिए, न कि केवल कागजों पर। इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। राउत ने कहा कि हिंदी को पूरे देश में पसंद किया जाता है और बोला जाता है, लेकिन इसे स्कूली पाठ्यक्रम में नहीं थोपा जाना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब के दृष्टिकोण ने ओडिशा को आकार दिया: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब के दृष्टिकोण ने राज्य को आकार दिया। गडकरी ने महताब की 125वीं जयंती के अवसर पर कटक स्थित रेवेनशॉ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'बुनियादी ढांचे का विकास और ओडिशा' विषय पर एक व्याख्यान में यह बात कही। एक स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि की तारीफ करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, "आप नेत्रदान कर सकते हैं, लेकिन दृष्टिकोण नहीं। महताब जी के दृष्टिकोण ने ओडिशा को आकार दिया है।" गडकरी ने कहा कि ओडिशा की पहचान और विकास में महताब का योगदान अद्वितीय है। उन्होंने हीराकुंड बांध के निर्माण में महताब के योगदान का भी जिक्र किया। दरअसल, देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1948 में इसकी आधारशिला रखी थी और 1957 में इसका उद्घटान किया गया था। गडकरी ने महताब को बहुमुखी व्यक्ति त्व का धनी बताते हुए कहा कि वह एक विद्वान, लेखक, कवि और समाज सुधारक थे, जिन्होंने राज्य में शैक्षिक उन्नति और सामाजिक समानता के लिए काम किया था।

लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति किसी पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते: सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह "असंवैधानिक" है और राज्यसभा के किसी सभापति को कभी भी इस तरह का "राजनीतिक बयान" देते नहीं देखा गया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे "पार्टी प्रवक्ता" नहीं हो सकते। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "हर कोई जानता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी वोट नहीं करते हैं, वे केवल तब वोट करते हैं जब बराबरी होती है। उच्च सदन के साथ भी यही बात है। आप विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच समान दूरी पर हैं।" सिब्बल का कहना था, "आप जो कुछ भी कहते हैं वह समान दूरी बनाए रखने वाली होनी चाहिए। कोई भी वक्ता किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। मैं यह नहीं कहता कि वह (धनखड़) हैं, लेकिन सैद्धांतिक रूप में कोई भी अध्यक्ष किसी भी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। अगर ऐसा लगता है तो आसन की गरिमा कम हो जाती है।" राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए न्यायपालिका द्वारा समयसीमा निर्धारित करने और 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करने को लेकर बृहस्पतिवार को सवाल उठाते हुए कहा था कि उच्चतम न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता।

मंत्रिमंडल में जाति आधारित सर्वेक्षण रिपोर्ट को लेकर कोई विरोध नहीं हुआ: सिद्धरमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि बृहस्पतिवार शाम को मंत्रिमंडल की हुई विशेष बैठक में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कोई विरोध नहीं हुआ। इस सर्वेक्षण रिपोर्ट को 'जाति जनगणना' के नाम से जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि चर्चा के दौरान मंत्रियों के बीच कोई तीखी बहस नहीं हुई, जैसा कि मीडिया के एक वर्ग द्वारा खबर दी गई है। सिद्धरमैया ने कहा, "कल इस (जाति जनगणना रिपोर्ट) पर मंत्रिमंडल में चर्चा हुई जो अधूरी रही और चर्चा दूसरे दिन के लिए टाल दी गई। इस विषय पर मंत्रिमंडल की अगली बैठक में चर्चा की जाएगी। किसी ने इसका विरोध नहीं किया है।" उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "मीडिया में आई यह खबरें झूठी हैं कि कुछ मंत्रियों के बीच तीखी बहस हुई थी।" उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने भी मंत्रिमंडल की बैठक में किसी भी तरह की नोक-झोंक से इनकार किया है।

नेशनल हेराल्ड केस को लेकर अनुराग ठाकुर का तीखा प्रहार

कांग्रेस के इतिहास में एक नहीं, अनेक घोटाले

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस नेताओं को चुनौती दी कि वे मामलों का त्वरित और समयबद्ध निपटारा करने की मांग करें। साथ ही, उसने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के पीछे राजनीति को कारण बताने के लिए पार्टी की आलोचना की। सत्तारूढ़ भाजपा ने गांधी परिवार के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र के बाद विपक्षी पार्टी पर दबाव बनाए रखा और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया, जिसे बहुत कम लोग पढ़ते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेशनल हेराल्ड का नाम सुनते ही आज कांग्रेस पार्टी के पूरे इकोसिस्टम में छटपटाहट, कपकपाहट, धड़धड़ाहड, डगमगाहट, लड़खड़ाहट होने लगती है। ऐसे सनसनी होने लाजमी भी है, क्योंकि चोरी करते हुए फिर से पकड़े जो गए हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद आज तक अगर आप कांग्रेस का इतिहास देखेंगे तो एक नहीं बल्कि अनेक घोटाले सामने आए हैं। लेकिन ये (नेशनल हेराल्ड) अपने आप में एक ऐसा मॉडल है, जो किसी के गले नहीं उतर रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अखबार को अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक पैसा भी निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यंग इंडियन कंपनी में दोनों गांधी परिवार के पास 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसे कांग्रेस ने 50 लाख रुपये का कर्ज दिया था। उन्होंने कहा कि यंग इंडियन ने मात्र 50 लाख रुपये में 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की। कांग्रेस पार्टी ने शेष राशि माफ कर दी। सबसे पहला सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस पार्टी के पास ऋण देने का अधिकार भी है? दूसरा सवाल यह है कि क्या वे इस पर कोई ब्याज कमा रहे थे? आमतौर पर अखबार कागज पर छपते हैं, लेकिन नेशनल हेराल्ड एक ऐसा अखबार था जो केवल कागज पर ही चलता था।

मौसम

24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

हिमाचल में हवा चली, पेड़ उखड़े, बीकानेर-बाड़मेर में पारा 45 पार

नई दिल्ली। यूपी-बिहार समेत उत्तर भारत के राज्यों में गुरुवार को भारी बारिश और बिजली-आंधी देखने को मिला। यूपी में बीते 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली-आंधी से अयोध्या में 6, बाराबंकी में 5, अमेठी और बस्ती में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। आज यूपी के 37 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में 2 और पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने लगातार दूसरे दिन 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इधर, राजस्थान के 9 जिलों में आज लू और धूलभरी आंधी की चेतावनी है। बीते दिन बीकानेर और बाड़मेर में पारा 45.1 और 45 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि, 24 घंटे बाद तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। हिमाचल में 60-80 kmph की रफ्तार से आया तूफान हिमाचल प्रदेश में बुधवार आधी रात को आए तूफान ने भारी तबाही मचाई। 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं से कई घरों की छतें उड़ गईं। कई जगह पेड़ उखड़ गए और बिजली की लाइनें टूट गईं। इससे आधे हिमाचल में ब्लैक आउट हो गया है।

राज्य में शुक्रवार को छह जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और लाहौल-स्पीति में तूफान का ऑरेंज अलर्ट है। जबकि 19 अप्रैल को 9 जिलों ऑरेंज अलर्ट और 20 अप्रैल को यलो अलर्ट है।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया निरीक्षण, जनसमस्याओं का किया त्वरित निराकरण

भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने क्षेत्र के विकास के लिए अधिकारियों से रोड़मैप बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी कार्य में लेटलतीफी ना हो। राज्यमंत्री श्रीमती गौर लगातार क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर रही हैं और रहवासियों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निराकरण के लिए निर्देशित कर रही हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नारायण नगर नर्मदापुरम रोड के श्रीदुर्गा मंदिर से भ्रमण की शुरुआत की। नारायण नगर के रहवासियों ने पानी की समस्या से अवगत कराया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सम्पवेल की मरम्मत कर उसे जल्द से जल्द शुरु करें। साथ ही पानी सप्लाई की समय सीमा तय करें, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। नारायण नगर की सीवेज लाइन को अमृत फेज-2 में शामिल कर इंटरनल नेटवर्क का रोडमेप तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बावड़ियाकलां, आमनगर, डीके काटेज का भी भ्रमण किया। यहां के रहवासियों ने बताया कि उनके क्षेत्र की संजीवनी अस्पताल भवन के निर्माण को पूरा नहीं किया है। ठेकेदार ने लंबे समय से काम रोक कर रखा है। राज्यमंत्री श्री गौर ने अधिकारियों को ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट घोषित करने के निर्देश दिए और किसी अन्य एजेंसी से कार्य को जल्द पूरा कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जल्द ही हाईमास्क और पार्क का निर्माण भी कराया जाएगा। त्रिषि बैली, रोहित नगर के रहवासियों ने बताया कि कालोनी के पीछे बिल्डर के प्राइवेट कंस्ट्रक्शन होने के कारण उनकी कालोनी का नाला पूरी तरह बंद हो गया है। ऐसे में जल निकासी नहीं होने से नालियों में पानी भरा है और बारिश में यह गंदा पानी घरों में आएगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विल्डर को नोटिस देकर अवैध निर्माण को रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सलैया मिसरोद में फारच्यून लैंडमार्क, आईबीडी कालोनी और आकृति ग्रीन के लोगों ने पानी, बिजली और कचरे की समस्यां से अवगत कराया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया की महिलाओं को कचरा फेंकने कालोनी के बाहर नहीं जाना पड़े। इसके लिए डोर-टू-डोर कचरा उठाने की व्यवस्था करें।

इस दौरान प्रताप वारे, प्रदीप पाठक, ओमप्रकाश,जितेंद्र शुक्ला, रामबाबू पाटीदार, शीली पाटीदार, धर्मेंद परिहार, मोनिका ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में जनता जनार्धन, कार्यकर्ता और अधिकारी मौजूद रहे।

ज्योतिष मठ संस्थान पहुंचे जादूगर ओपी शर्मा

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध जादूगर ओपी शर्मा नेहरू नगर स्थित ज्योतिष मठ संस्थान पहुंचे। वहां पर उन्होंने पूजन अर्चना कर गुरु गादी का आशीर्वाद प्राप्त किया संस्थान के संचालक ज्योत्सचार पंडित विनोद गौतम एवं संस्थान के पदाधिकारीगणो द्वारा स्वागत सम्मान किया गया । इस अवसर पर प्रसिद्ध जादूगर श्री ओपी शर्मा ने कहा की जादू सिर्फ मनोरंजन के लिए है लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर ब्रह्म भृमजाल पैदा करते हैं यह स्वस्थ मनोरंजन है । हमें भी आध्यात्मिक शक्ति की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया की जादू और ज्योतिष भ्रम को दूर करता है ज्योतिष के माध्यम से लोग अपने जीवन में खुशियां प्राप्त कर सकते हैं एवं आने वाले दुखों से मुक्ति पा सकते हैं लेकिन कुछ ज्योतिषियों द्वारा इसे व्यापार बना दिया है और लोगों के दिलों में डर बनाकर रत्न का व्यापार कर रहे हैं इस प्रकार से ज्योतिष से आम जनता का विश्वास उठता जा रहा है यह ज्योतिष में घुन की तरह लग गया है इसे दूर कर स्वच्छ ज्योतिष शास्त्र अपनाना चाहिए रत्न के फेर से बचना चाहिए तथा अध्यात्म का सहारा लेना चाहिए सभी लोग अध्यात्म से अपना करियर बनाते हैं वर्तमान समय पर जादूगर ओपी शर्मा का शो भारत टॉकीज भोपाल में चल रहा है।

प्रबंधन के पास आया ई-मेल, इटारसी ऑर्डनेंस फैक्टरी को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री में धमकी भरा ई-मेल आने से फैक्टरी परिसर के साथ ही पुलिस में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को आयुध निर्माणी में एक धमकी भरा मेल आया। इसके बाद जिले का पुलिस बल अलर्ट हो गया है। आयुध निर्माणी परिसर की बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्राड की मदद से घंटों जांच की गई। ऑर्डनेंस फैक्टरी में गुरुवार को एक धमकी भरे ई-मेल से निर्माणी प्रबंधन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। निर्माणी प्रबंधन से मिली सूचना के बाद एसपी डॉ. गुरकरन सिंह बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कवाड के साथ ही भारी पुलिस बल के साथ ऑर्डनेंस फैक्टरी पहुंचे। यहां प्रशासनिक भवन सहित कार्यस्थलों की बारीकी से जांच की। पुलिस ने जांच के दौरान पूरे प्रशासनिक भवन को खाली करा दिया था।

एमपी के छात्रों ने बनाई डिवाइस, हार्ट अटैक आने पर 100 नंबर पर जाएगा मैसेज

भोपाल। पिछले कुछ समय से देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी चपेट में आने वाले ज़्यादातर युवा हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने से अधिकांश लोग मौत के शिकार बन रहे हैं। इन्हीं हालातों को देखते हुए उज्जैन के युवाओं ने एक ऐसी आपातकालीन डिवाइस तैयार की है जो न केवल हार्ट अटैक, बल्कि सड़क हादसे, हमला, छीना-झपटी जैसी इमरजेंसी में भी तुरंत सहायता पहुंचाने में मददगार होगा। उज्जैन के गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के पांच छात्रों द्वारा तैयार की गई इस हाई-टेक डिवाइस में कई एडवांस फीचर्स जोड़े गए हैं-

हार्ट रेट मॉनिटरिंग। डिवाइस में पल्स सेंसर लगाये गए हैं। जैसे ही धड़कन असामान्य होती है, यह तुरंत अलर्ट भेज देता है।

SOS बटन: इमरजेंसी में बटन दबाते ही 100 पहले से सेव नंबरों पर अलर्ट जाता है।

GPS और GPRS: लोकेशन ट्रैकिंग के लिए डिवाइस में GPS सिस्टम है, जिससे सही स्थान की जानकारी मिलती है।

लाइव वीडियो कॉलिंग: जवाब न मिलने की स्थिति में डिवाइस स्वत: वीडियो कॉल करता है।

टू-वे कम्युनिकेशन: अलर्ट के बाद बात भी की जा सकती है।

कैसे आया आइडिया: डिवाइस बनाने वाले छात्र हर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि अखबारों में हार्ट अटैक और महिलाओं-बुजुर्गों से जुड़ी आपात स्थितियों की खबरें पढ़ने के बाद इस दिशा में कुछ करने का यह विचार आया। टीम के अन्य सदस्य मोहित कुमार, राहुल सिंह रावत, ओम कृष्ण कुमार जायसवाल और विशाल रघुवंशी ने मिलकर यह डिवाइस तैयार किया। डिवाइस की क़ीमत 5000 रुपए है।

सबसे ज्यादा उपयोग यहां

सिंहस्थ कुंभ जैसे आयोजनों में जहां भारी भीड़ होती है, यह डिवाइस बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। प्रोफेसर वाय.एस. ठाकुर के मार्गदर्शन में बना यह डिवाइस, भीड़ में किसी व्यक्ति की तबीयत खराब होने या संकट की स्थिति में उसे तुरंत मदद दिला सकता है।

मोबाइल एप के रूप में करेंगे विकसित

अभी यह डिवाइस प्रोटोटाइप के रूप में है, लेकिन आगे इसे मोबाइल एप या स्मार्ट वॉच के रूप में विकसित करने की योजना है। साथ ही, साइबर सेल से कनेक्ट कर इसे और भी प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के कारण: खरब जीवनशैली , कोलेस्ट्रॉल की अधिक मात्रा, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज के बढ़ते मामले , अनियमित नींद, मोटापा, स्मोकिंग और अल्कोहल

बचने के लिए अपनाएं ये तरीके हर दिन आधा घंटा एक्सरसाइज को दें। कम से कम सात घंटे की अच्छी नींद लें।

जीतू पटवारी के बयान पर नरेंद्र सलूजा ने ली चुटकी

भोपाल। जीतू पटवारी के बयान पर पलटवार करते हुए नरेन्द्र सलूजा ने कहा कि आज तात्या टोपे जी का बलिदान दिवस है , जयंती नहीं... हम मानते है कि गर्मी बहुत पड रही है... आजकल आप बहकी- बहकी बाते भी बहुत कर रहे है। कल आप बुंदेलखंड में भी शादी वाले घोड़े - रेस वाले घोड़े , घोड़े पीछे रह गये, हार गये, जाने क्या - क्या बोल रहे थे.... थोड़ा आप ठंडे समय में निकलना शुरू कीजिये।

जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के तहत ज़ायद फसल एवं पराली प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। स्मॉल ग्रांट प्रोग्राम के 7 वें परिचालन चरण के अंतर्गत ऊर्जा और संसाधन संस्थान TERI के सहयोग से नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंटस एंड एनवायरमेंट (एन.सी.एच.एस.ई) भोपाल द्वारा दमोह जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के देवरी लीलाधर और पतलोनी गांव में जलवायु अनुकूल पद्धतियों को अपनाकर अवक्रमित/कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार हेतु परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को ऐसी प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को अपनाने के लिए शिक्षित और प्रोत्साहित करना है, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियों, पारिस्थितिकी सेवाओं में सुधार के साथ-साथ पर्यावरण के और अधिक क्षरण को रोकने और उनकी आजीविका को बढ़ाने में सहायक हों।

इसी कड़ी के अंतर्गत ग्राम देवरी लीलाधर, विकासखण्ड-तेंदुखेड़ा जिला दमोह में 17 अप्रैल 2025 को ग्राम पंचायत भवन में महिला एवं पुरुष कृषकों को जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के तहत ज़ायद फसल एवं पराली प्रबंधन के संबंध में श्री बी. एल. साहू, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह एवं कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारी श्री दुर्गेश पटेल ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

उन्होंने पराली को जलाकर नष्ट करने की बजाय जमीन पर रोटावेटर चलाने की सलाह दी। उन्होंने सुपर सीडर की मदद से अगली फसल की बुआई करने के फायदे बताए। पराली जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति तो कम होती ही है, इससे उठने वाले धुँए से पर्यावरण को भी बड़ा नुकसान पहुँचता है। श्री साहू ने प्रतिभागियों को रोटावेटर यंत्र के उपयोग के बारे में बताया, यह मुख्य रूप से मिट्टी की जुताई, भुरभुरी बनाने, और खरपतवारों को नष्ट करने के लिए किया जाता है. यह कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो फसल की पैदावार को बढ़ाने में मदद करता है. रोटावेटर फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी में मिला देता है, जिससे मिट्टी में जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ती है। उन्होंने बताया कि सुपर सीडर मशीन का उपयोग मुख्य रूप से गेहूं की बुवाई के लिए किया जाता है, खासकर जब धान की कटाई के बाद खेत में अवशेष बचे हों. यह मशीन जुताई, बुवाई और अवशेषों को मिट्टी में मिलाने का काम एक साथ करती है।

भोपाल। गुड फ्राइडे पर राजधानी में गिरिजाघरों में प्रार्थना की गई

वैन ह्यूसेन ने भोपाल में की स्टाइलिश एंट्री

भोपाल। भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन ब्रांड वैन ह्यूसेन ने अब भोपाल में अपना नया स्टोर भव्य अंदाज़ में लॉन्च किया है। यह स्टोर पहली मंज़िल, दैनिक भास्कर मॉल, एफ-35, डीबी सिटी मॉल, ज़ोन-1, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित है जो शहर के सबसे व्यस्त और लोकप्रिय शॉपिंग हब्स में से एक है। यह स्टोर फॉर्मल वेयर, कैजुअल वेयर और अक्सेसरीज़ का शानदार संगम प्रस्तुत करता है, जो आज के मॉडर्न उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर चुना गया है। फैशन, टेक्नोलॉजी और एक्सपीरियंस का अनोखा मेल: इस स्टोर की सबसे बड़ी खासियत है इसकी विविध प्रोडक्ट रेंज, जो प्रोफेशनल्स के साथ-साथ कैजुअल लुक्स पसंद करने वालों को भी आकर्षित करेगी। इंटीरियर डिज़ाइन में फ्लूइड पाथवेज, वॉर्म लाइटिंग, और मिनिमल रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है, जिससे प्रीमियम और आरामदायक इन-स्टोर अनुभव सुनिश्चित होता है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की सुदर्शन चक्र कोर की समीक्षा, पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सुदर्शन चक्र कोर का दौरा किया। उन्होंने परिचालन तैयारी की व्यापक समीक्षा की, भारतीय सेना की उच्च युद्ध तत्परता, नवाचार और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। अपने दौरे के दौरान उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सैनिकों से बातचीत की और उनकी परिचालन दक्षता, अनुकूलनशील प्रशिक्षण और युद्धक्षेत्र में नवाचार के प्रति समर्पण की सराहना की। इस दौरे के दौरान पांच विशिष्ट पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया। जिन्होंने समाज और राष्ट्र निर्माण में सतत् योगदान दिया। ब्रिगेडियर रामनारायण विनायक, वीएसएम सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों के कल्याण में सक्रिय, इन्होंने 300 से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार देने वाली डीजीआर प्रायोजित सुरक्षा एजेंसी स्थापित की, 1962, 65 और 71 युद्धों की वीर नारियों के लिए ईसीएचएस लाभ सुनिश्चित किए और उदार पारिवारिक पेंशन के लिए आवाज उठाई। अपनी पत्नी के साथ, वे शौर्य स्मारक में शैक्षिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शहीदों की विरासत को बढ़ावा देते हैं।

क्यू1'25 में अमेजन ने भोपाल और मध्य प्रदेश में होम, किचन और आउटडोर्स बिज़नेस में दो अंकों की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की

भोपाल। अमेजन डाट इन ने क्यू1'25 में भोपाल और मध्य प्रदेश में होम, किचन और आउटडोर्स बिज़नेस में 20प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी स्मार्ट होम डिवाइसेज़, फिटनेस और सुरक्षा से जुड़े प्रोडक्ट्स, किचन अप्लायंसेज़, डीआईवाई टूल्स, ऑटोमोटिव एसेसरीज़ और गार्डनिंग उपकरणों की बढ़ती मांग के कारण देखने को मिली। प्लेटफॉर्म पर नए ग्राहकों की संख्या में भी 10प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक दिलचस्प ट्रेंड यह रहा कि कैंपिंग से जुड़े उत्पादों की मांग में जबरदस्त उछाल आया, मध्य प्रदेश में इस श्रेणी में 80प्रतिशत और भोपाल में 145प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई। टेंट की बिक्री में 570 प्रतिशत की सालाना बढ़त देखी गई। इसके साथ ही आईपीएल सीजन की वजह से क्रिकेट से जुड़े सामानों की मांग में भी तेजी आई और शहर में इनकी बिक्री में 40प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि हुई। अमेजन प्राइम सदस्य अब 10,000 रुपये या उससे अधिक की होम और किचन अप्लायंसेज़ की खरीदारी पर 1,200 रुपये तक की छूट और 1,000 रुपये से अधिक की किचन आवश्यक वस्तुओं पर 150 रुपये की सीधी छूट का लाभ उठा सकते हैं। अमेजन डाट इन को आज भोपाल में आयोजित एक दिवसीय आयोजन के दौरान जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें फर्नीचर, होम एसेंशियल्स, किचन और अप्लायंसेज़, होम डेकोर और लाइटिंग, स्पोर्ट्स और फिटनेस, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, ऑटो एसेसरीज़, आउटडोर और गार्डनिंग जैसी श्रेणियों के उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे।

विश्व विरासत दिवस: विरासत, देश और लोगों की पहचान को परिलाक्षित करती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरू महेश अग्रवाल ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि पूरे विश्व में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई जा सके। विश्व विरासत स्थल ऐसे खास स्थानों (जैसे वन क्षेत्र , पर्वत, झील, मरुस्थल, स्मारक, भवन, या शहर इत्यादि) को कहा जाता है, विरासत, देश और लोगों की पहचान को परिलाक्षित करती है। किसी भी व्यक्ति के लिए विरासत उसकी पहचान होती है। वह अपने समृद्ध विरासत के बल पर गौरव प्राप्त करता है। सांस्कृतिक विरासत जैसे रीति रिवाज , धर्म, संस्कृति, भाषा, संगीत , नृत्य, भवन, अभिलेख, सिक्के, रहन सहन , खान पान आदि।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि भारतीय त्रृषि-मुनियों की देन योग भारत की एक अत्यंत प्राचीन विरासत है । आज योग को जीवन जीने की एक कला एवं विज्ञान के साथ-साथ औषधि रहित चिकित्सा पद्धति के रूप में लोकप्रियता मिल रही है । योगविद्या भारतवर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारतवासी प्राचीनकाल में सुखी , समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे । पूजा-पाठ , धर्म - कर्म से शान्ति मिलती है और योगाभ्यास से धन धान्य , समृद्धि और स्वास्थ्य। भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए। योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर योग और शारीरिक स्वास्थ्य विज्ञान के बारें में बताया कि योग का मनोदैहिक पक्ष अति महत्त्वपूर्ण है । यह प्राचीन विज्ञान मानव को मात्र एक जैव इकाई नहीं मानता । प्राचीन चिन्तकों ने मन के कार्यों और उसकी आन्तरिक संरचना पर अधिक ध्यान दिया है । आज , मनोविज्ञान ने भी अपने शोध क्षेत्र में इस मौलिक पक्ष को स्वीकार किया है और शरीर एवं मन के अन्तर्सम्बन्धों को अधिक से अधिक समझ रहा है। अत-यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि किसी भी कार्य क्षेत्र में मनुष्य की प्रगति के लिए न केवल उसको शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए , वरन् उसका मानसिक रूप से स्वस्थ होना भी अनिवार्य है । योग के क्षेत्र में मानव की उच्चतम प्रगति के लिए उसके स्वस्थ और समन्वित व्यक्तित्व के विकास को योग ने सदा ही अपना लक्ष्य माना है । अतः यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं कि महर्षि पतञ्जलि अपनी अष्टांग-योग-पद्धति में दोनों पक्षों- बहिरंग और अन्तरंग को योग की पूर्णता के लिए आवश्यक मानते हैं । प्रथम कोटि में आते हैं- यम , नियम , आसन और प्राणायाम तथा द्वितीय कोटि में आते हैं- प्रत्याहार , धारणा, ध्यान और समाधि । प्रथम चार शारीरिक स्वास्थ्य के मौलिक तत्त्व हैं। यम, नियम, आसन और प्राणायाम सबके शारीरिक स्वास्थ्य के चार आधार स्तम्भ हैं । फिर हठयोग छः शुद्धिकारक तकनीकों, नेति, धौति, बस्ति, नौलि, त्राटक और कपालभाति को षट्कर्म के रूप में रखता है । ये सभी शारीरिक स्वास्थ्य विज्ञान की महत्त्वपूर्ण तकनीकें हैं । प्राचीन योग विज्ञान ने मेरुरज्जु और मस्तिष्क को केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र के अवयव के रूप में माना है तथा उनको स्वस्थ रखने पर बल दिया है । योग में अन्तःस्रावी ग्रन्थियों की समुचित क्रियाशीलता और शरीर की रासायनिक प्रतिक्रियाओं को भी महत्त्वपूर्ण माना गया है । अतएव साधक प्रसन्नता से अपने जीवन के स्वैच्छिक नियमन के लिए तैयार हो जाता है । इसका यह अर्थ नहीं है कि उस समय वह अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को अस्वीकार कर अपनी सहज प्रवृत्तियों का दमन करता है।

इंदौर में 27 अप्रैल को होगा एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025, नई टेक्नोलॉजी पॉलिसी की गाइडलाइन्स होंगी जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश टेक्नोलॉजी सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जाएगा। इस आयोजन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशक, नीति निर्माता और तकनीकी क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। कॉन्क्लेव के दौरान राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (त्ष्ष्ह्य) पॉलिसी, सेमी-कंडक्टर्स पॉलिसी, ड्रोन पॉलिसी और एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (ड्ढत्ष्-ङ्क्र) पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी। इन गाइडलाइन्स को निवेशकों और सरकार के बीच एक पारदर्शी सेतु के रूप में तैयार किया गया है। दस्तावेज में पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्रक्क), समय-सीमा और अपील प्रक्रिया सहित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। कॉन्क्लेव का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इन सभी नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी। MP Investment Portal के माध्यम से निवेशक रियल-टाइम डैशबोर्ड, ऑटोमेटेड वर्कफ्लो और एकीकृत सिंगल-विंडो सिस्टम के जरिए सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से आवेदन कर सकेंगे।

ब्रिज के नीचे खतरनाक स्टंट करने वाले तीन युवक गिरफ्तार, 5 हजार रुपए का जुर्माना

छिंदवाड़ा। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें तीन अज्ञात युवक फोर व्हीलर वाहन पर खतरनाक तरीके से स्टंट करते हुए इमलीखेड़ा ब्रिज के नीचे रील बनाते नजर आए। सार्वजनिक सड़क पर इस तरह के स्टंट करते हुए युवकों ने यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन किया।पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान कर ली। उनकी पहचान निम्नानुसार है1. सदाव अली पिता इसरार अली, उम्र 27 वर्ष 2. तंज़ीम खान पिता इस्माइल खान, उम्र 26 वर्ष 3. दानिश अली पिता इरशाद अली, उम्र 18 वर्ष (तीनों निवासी श्रीवास्तव कॉलोनी, छिंदवाड़ा)उक्त तीनों व्यक्तियों पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 115/190(2) के अंतर्गत रू.5000 का जुर्माना लगाया गया और आवश्यक हिदायत देने के बाद उन्हें छोड़ा गया। इसके साथ ही ब्हस्स्की धारा 126(क्) व 135(3) के अंतर्गत प्रतिरोधात्मक कार्रवाई भी की गई है, ताकि भविष्य में ऐसे खतरनाक कृत्य दोबारा न हों।पुलिस विभाग ने आम जनता से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और स्टंट जैसे जोखिमपूर्ण कार्यों से बचें। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दीवार लेखन कर जल संरक्षण के प्रति किया जा रहा लोगों को जागरुक

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं ब्लॉक समन्वयक श्री दिलीप आठनेरे के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पानी को संवर्धित करने तथा पानी का दुरूपयोग न कर सदुपयोग करते हुए आने वाले वर्षा के दिनों में वर्षा जल संग्रहण की जानकारी देकर जन जागरूक किया गया तथा दीवार लेखन भी किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता श्री श्याम दलवी, वर्षा खुरसंगे तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र मंगेश गजभिए, रोशन पोतदार, धीरज राऊत उपस्थित थे।

विकासखंड चौरई में जल संरक्षण के अंतर्गत की गई पहल

छिन्दवाड़ा। (कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक श्री ललिता कुशरे की उपस्थिति में विकासखंड चौरई के सेक्टर क्रमांक-2 के ग्राम बिंझावाडा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नदी में पानी संचय एवं जानवरों के लिये पीने का पानी उपलब्ध हो सके की पहल की गई। इस कार्य में सीएमसीएलडीपी के छात्र, परामर्शदाता श्री मनीष तिवारी, श्री गहरसिंह म्हन्दोले, प्रस्फुटन समिति से श्री संजय शर्मा उपस्थित रहे एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के लिये नदी में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा इसके बाद जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई।

बिछुआ कुंडा में आयोजित भागवत कथा का आज पंचम दिन

चौरई । क्षेत्र के ग्राम बिछुआ कुंडा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है जिसके आज पंचम दिन बड़ी संख्या में ग्राम वासियों ने पहुंचकर कथा का श्रवण किया है तथा का आयोजन 12 मार्च से कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ है और जिसका समापन 19 मार्च को होगा । कथा के प्रथम दिन से लेकर आज तक ग्राम वासियों के द्वारा अलग-अलग वेशभूषा तैयार कर आध्यात्मिक झांकी प्रस्तुत की जा रही आयोजन के संबंध में सरल सक्सेना ने मीडिया को चर्चा में बताया है कि योग सम्राट महामंडलेश्वर श्री नागेंद्र ब्रह्मचारी जी महाराज के मुखारविंद से संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है जिसमें ग्राम वासियों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पहुंचकर कथा का श्रवण कर रहे हैं तथा के प्रारंभ से ही आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाये अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही । कथा में ग्रामवासी पूर्ण उत्साह के साथ सहयोग कर भक्ति भाव के साथ कथा का श्रवण कर भाव विभोर हो रहे हैं आज पंचम दिन कथा में क्षेत्र के विधायक सुजीत सिंह चौधरी पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे ने पहुंचकर कथा का श्रवण कर व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया है ।

लाडो अभियान के अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम की कार्यशाला का हुआ आयोजन

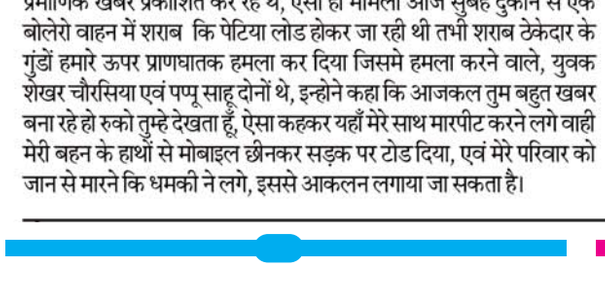

छिन्दवाडा । कलेक्टर कार्यालय छिंदवा?ा के सभाकक्ष में गत दिवस लाडो अभियान के अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल विवाह के संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला

एवं बाल विकास डॉ.हेमंत छेकर द्वारा बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जानकारी दी गई । इस दौरान अपर कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे के द्वारा सभी उपस्थित जनों को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई। इस कार्यशाला में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर एवं एसीओ श्री राजोदिया एवं अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तथा महिला एवं बाल विकास के कर्मचारी के साथ ही इस कार्यशाला में 300 लोग उपस्थित थे ।

पत्रकारों पर होने वाले हमले रोकने दिया ज्ञापन

छिंदवाड़ा। जिले के चौरई तहसील में देशी शराब दुकान पर एक आप्रिय घटना घट गई जब, पत्रकार योगेश जैन अपने परिवार के साथ मंदिर से लौट रहे थे, तभी शराब दुकान से बोलेरो से शराब कि पेटियां लोड हो रही थी, जिसे देखकर दोनों युवा जिज्ञासु पत्रकार भाई बहन ने शराब कि पेटियों और गाड़ी का विडियो बनाने लगे तभी, शराब दुकान या यूँ कहे शराब ठेकेदार के कर्मचारियों ने दोनों भाई बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे भाई योगेश जैन को गंभीर चोटें आई एवं बहन के हाथों से एक नया वनप्लस मोबाइल छीनकर तोड़ दिया गया, जिसमे यहाँ घटना रिकॉर्ड हो रही थीं, वहीं घायल योगेश जैन ने बताया कि हम शराब दुकान से अवैध रूप से गाँव गाँव में बिक रही अवैध शराब पर लगातार प्रमाणिक खबरें प्रकाशित कर रहे थे, ऐसा ही मामला आज सुबह दुकान से एक बोलेरो वाहन में शराब कि पेटिया लोड होकर जा रही थी तभी शराब ठेकेदार के गुंडों हमारे ऊपर प्राणघातक हमला कर दिया जिसमे हमला करने वाले, युवक शेखर चौरसिया एवं पप्पू साहू दोनों थे, इन्होने कहा कि आजकल तुम बहुत खबर बना रहे हो रुको तुम्हे देखता हूँ, ऐसा कहकर यहाँ मेरे साथ मारपीट करने लगे वाही मेरी बहन के हाथों से मोबाइल छीनकर सड़क पर टोड दिया, एवं मेरे परिवार को जान से मारने कि धमकी ने लगे, इससे आकलन लगाया जा सकता है।

महिलाओं के गहने पहनने के पीछे क्या है वैज्ञानिक कारण

सोना के गहनों पर एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते है। जोकि आपके रंग को निखारता है। साथ ही इसको पहनने से आप की उम्र भी कई गुना बढ़ जाती है।गहने प्रकृति की गहनता और विस्तार को समेटे शरीर का संतुलन बनाते हैं। परंपराओं में देखें तो आभूषण न केवल इस युग में मानव से जुड़े हैं, बल्कि देवी-देवताओं से भी जुड़े दिखाई देते हैं। गहनों का वैज्ञानिक आधार है। औरतों का शरीर और मन पुरुषों की अपेक्षा कोमल, संवेदनशील माना गया है. औरतों के शरीर में हारमोंस के उतार चढाव का शरीर और मन, विचारों पर काफी प्रभाव होता है. घर परिवार की जिम्मेदारियों की बात की जाय तो औरतें तन-मन से समर्पित रहती हैज्ऐसे में प्राचीन ऋषियों ने कुछऐसे उपकरण बनाये जिससे औरतों के मन और स्वास्थ्य की रक्षा हो सके. प्रचलन में बढ़ने पर इनको सुन्दर गहनों का रूप मिलने लगा और यह नियमपूर्वक पहने जाने लगेज्सोने के गहने गर्मी और चांदी के गहने ठंडी का असर शरीर में पैदा करते हैं. कमर के ऊपर के अंगों में सोने के गहने और कमर से नीचे के अंग में चांदी के आभूषण पहनने चाहिए. यह नियम शरीर में गर्मी और शीतलता का संतुलन बनाये रखता है।

चूड़ी पहनने के फायदे : चूड़ी कलाई की त्वचा से घर्षण करके हाथों में रक्त संचार बढाती है. यह घर्षण ऊर्जा भी पैदा करता है जोकि थकान को जल्दी हावी नहीं होने देता..कलाई में गहने पहनने से श्वास रोग, ह्रदय रोग की सम्भावना घटती है. चूड़ी मानसिक संतुलन बनाने में सहायक है चटकी हुई या दरार पड़ी हुई चूड़ियाँ नहीं पहननी चाहिए. इससे नकारात्मक ऊर्जा बढती है.. लाल रंग और हरे रंग की चूड़ियाँ सबसे अच्छे असर वाली मानी जाती हैं।

बिछिया पहनने के फायदे : विवाहित महिलाएं पैरो में बीच की 3 उँगलियों में बिछिया पहनती है. यह गहना सिर्फ साज-श्रृंगार की वस्तु नही है.. दोनों पैरों में बिछिया पहनने से महिलाओं का हार्मोनल सिस्टम सही रूप से कार्य करता है, बिछिया पहनने से थाइराइड की संभावना कम हो जाती हैज बिछिया एक्यूप्रेशर उपचार पद्दति पर कार्य करती है जिससे शरीर के निचले अंगों के तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियां सबल रहती हैंज बिछिया एक खास नस पर प्रेशर बनाती है जोकि गर्भाशय में समुचित रक्तसंचार प्रवहित करती है. इस प्रकार बिछिया औरतों की गर्भधारण क्षमता को स्वस्थ रखती हैज मछली की आकार की बिछिया सबसे असरदार मानी जाती है. मछली का आकार मतलब बीच में गोलाकार और आगे पीछे कुछ नोकदार सी।

पायल पहनने के फायदे : पायल पैरों से निकलने वाली शारीरिक विद्युत ऊर्जा को शरीर में संरक्षित रखती हैज्पायल महिलाओं के पेट और निचले अंगों में वसा (फैट) बढ़ने की गति को रोकती हैज्वास्तु के अनुसार पायल की छनक निगेटिव ऊर्जा को दूर करती हैज्चांदी की पायल पैरो से घर्षण करके पैरों की हड्डियाँ मजबूत बनाती हैं.. पैर में पायल पहनने से महिला की इच्छा-शक्ति मजबूत होती है.जिससे औरतें अपने स्वास्थ्य की चिंता किये बिना पूरी लगन से परिवार के भरण-पोषण में जुटी रहती हैं.. पैरों में हमेशा चांदी की पायल पहने. सोने की पायल शारीरिक गर्मी का संतुलन खराब करके रोग उत्पन्न कर सकती हैं।

अंगूठी पहनने के फायदे : अँगूठी ऊर्जा के विकास, मानसिक तनाव दूर करने, जननेन्द्रिय पर नियंत्रण पाने, कामवासना पर नियंत्रण रखने और पाचनतंत्र को मजबूत बनाने हेतु मिलावटरहित सोने की अँगूठी पहनी जाती है । विभिन्न धातुओं की अँगूठी का शरीर पर अलग- अलग प्रभाव पड़ता है, ऐसे ही अलग-अलग रत्नों (नगों) का भी अपना अलग-अलग प्रभाव होता है।

कर्ण-कुंडल पहनने के फायदे : कर्ण-कुंडल भारतीय संस्कृति कर्ण-छेदन का भी एक विशेष महत्त्व है । चिकित्सकों और भारतीय दर्शनशास्त्रियों का मानना है कि कर्णछेदन से बुद्धिशक्ति, विचारशक्ति और निर्णयशक्ति का विकास होता है । वाणी के व्यय से जीवनशक्ति का ह्रास होता है । कर्णछेदन से वाणी के संयम में सहायता मिलती है इससे उच्छृंखलता नियंत्रित होती है और कर्णनलिका दोषरहित बनती है । यह विचार पाश्चात्य जगत के लोगों को भी जँचा और वहाँ आज फैशन के रूप में कर्णछेदन कराकर कुंडल पहने जाते हैं ।

करधनी पहनने के फायदे : करधनी यह मूलाधार केन्द्र को जागृत करके किडनी और मूत्राशय की कार्यक्षमता को बढ़ाती है तथा कमर आदि के दर्दों में राहत देती है।

जल गंगा संवर्धन अभियानः ग्राम देवगड़ में बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ने श्रमदान कर की बावड़ी की साफ-सफाई

छिन्दवाडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश शासन के द्वारा चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान जो की 30 मार्च से प्रारम्भ है और 30 जून तक चलेगा, इस जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने के लिये म.प्र. जन अभियान परिषद सतत कार्य कर रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवा?ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक मोहखेड़ भवानी प्रसाद कुमरे के कुशल मार्गदर्शन में संचालित सीएमसीएलडीपी समाज कार्य के छात्रों द्वारा मोहखेड के सेक्टर-01 से श्रीमती आरती माटे के सहयोग से ग्राम देवगड़ में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत देवगड़ की एक वाव?ी की साफ-सफाई की गई एवं वावढ़ी पर जमीं हुई काई एवं अपशिष्ट कचरा हटाकर पानी को साफ किया गया। इस श्रमदान कार्य में बीसएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी पंकज गाडरे व सागर पवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

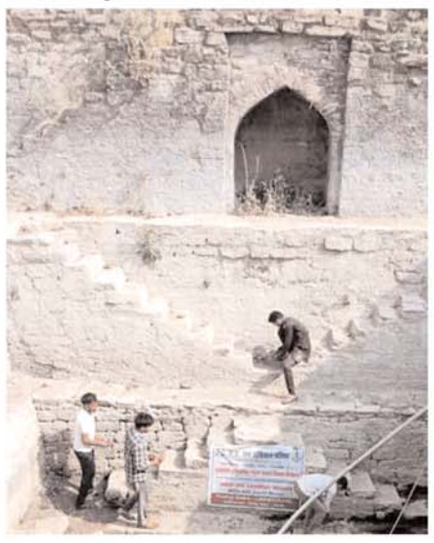

जल गंगा संवर्धन अभियानः आदर्श ग्राम रिंजीढाना में आयोजित हुई जल संगोष्ठी

छिन्दवाडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का मिशन जल गंगा संवर्धन महाअभियान के रूप में निरंतर 30 मार्च से 30 जून तक सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से जल संरक्षण और संवर्धन के लिये पुरातन जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण तथा जल के सदुपयोग के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम, जल संगोष्ठी, दीवार लेखन, जल शपथ तथा पौधारोपण आदि गतिविधियां अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवा?ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक भवानी प्रसाद कुमरे के कुशल मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक-03 लावघोघरी के चयनित आदर्श ग्राम रिंजीढाना में हनुमान मंदिर में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के सभी वरिष्ठ जनों द्वारा जल पीढ़ी संवाद के माध्यम से पानी के रखरखाव एवं उपयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के दौरान नवांकुर संस्था प्रमुख श्री अनिल कुमार डेहरिया ने सभी लोगों से अपील की कि धरती का जल स्तर बढ़ाने के

लिये हमें व्यक्तिगत रूप से अपना योगदान देना होगा। हमें खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने के लिए छोटी-छोटी जल संरचनाएं बनाना होगा तथा सभी को एक पेड़ अवश्य ही लगाना चाहिए तथा अंत में सभी को जल के सदुपयोग करने तथा पानी बचाने के लिये शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था प्रमुख श्री अनिल कुमार डेहरिया, अध्यक्ष श्री शंकरलाल कुमरे, सरपंच श्रीमती नीरू/रेमशाह कवरेती, सचिव श्री शेवराव फालके, सहायक सचिव श्री लेखराम आहके, पूर्व सरपंच श्री हीरेश राम कुमरे तथा ब?ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एक बड़े औद्योगिक परिसर में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर मॉक अभ्यास संपन्न

छिन्दवाडा। आपदा की स्थिति में प्रशासन की तत्परता और समन्वय की क्षमता को परखने के उद्देश्य से छिंदवाड़ा सहित प्रदेश के 10 जिलों में आज एक महत्वपूर्ण मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। छिंदवाड़ा जिले में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के संयुक्त तत्वावधान में प्रातः 9~40 बजे से 11.30 बजे तक जिले के एक बड़े औद्योगिक परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान इंसीडेंट कमांडर एडीएम श्री के.सी. बोपचे, पुलिस से ऑपरेशन सेक्शन चीफ, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, मॉक एक्सरसाइज के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल कुमार पटेल, डिप्टी इंसीडेंट कमांडर जिला होमगार्ड्स कमांडेंट श्री एस.आर.आज़मी सहित अन्य प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों में अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

औद्योगिक परिसर में निर्धारित फायर एण्ड एक्सप्लोजन मॉकड्रिल एक्सरसाईज का कथानक - जिला छिन्दवाड़ा के एक बड़े औद्योगिक परिसर में 7000 हजार लीटर क्षमता वाले विशाल डीजल टैंक की पाइप लाईन में लीकेज हुआ। फैक्ट्री में टैंक के पास वेल्डिंग का कार्य चल रहा था, वेल्डिंग की एक स्पार्क, लीकेज डीजल के पास गिर जाने से प्रातः लगभग 9.40 बजे आगजनी का हादसा हो गया। फैक्ट्री के अधिकारी द्वारा प्लांट में कार्यरत् कर्मियों तथा आस-पास के रहवासी क्षेत्रों को आग लगी होने की सूचना देने के लिये सायरन बजाना शुरू किया गया। सायरन की आवाज एवं फैक्ट्री के ऊपर आग की लपटों (काल्पनिक) एवं धुएँ को देखकर चारों तरफ अफरा-तफरी फैल गई और लोग बदहवास से भागने लगे।

आग लगने पर औद्योगिक परिसर की बचाव टीम तत्काल हरकत में आई और सर्वप्रथम फैक्ट्री की इलेक्ट्रिक सप्लाई बंद कर आग बुझाने का काम चालू किया। आग के भयावह व बड़े स्वरूप के होने के कारण फैक्ट्री के अधिकारियों ने यथाशीघ्र जिले के रिस्पांसिबल अधिकारी (जिला कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी) को इस आग की सूचना दी। साथ ही कंट्रोल रूम एवं राज्य आपदा प्रबंधन के टोल फ्री नंबर 1079 पर घटना के बारे में अवगत कराया। स्थानीय अन्य संसाधनों के उपलब्ध होने तक फैक्ट्री का बचाव दल आग बुझाने में जुटा रहा।

सूचना प्राप्त होते ही जिले के रिस्पांसिबल अधिकारी, इंसीडेंट कमाण्डर (अपर कलेक्टर), ऑपरेशन सेक्शन चीफ (पुलिस हेड), स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम की टीम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुँच गये। तत्काल घटनास्थल के पास स्टेजिंग एरिया, इंसीडेंट कमाण्ड पोस्ट, इंसीडेंट कैंप, राहत कैंप, मेडिकल पोस्ट आदि तैयार कर स्थापित किया गया। रिस्पॉन्सिबल अधिकारी ने तत्काल एक डिप्टी कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त कर रेस्क्यू कार्य के दौरान समस्त टीमों से उनके कार्यों की जानकारी एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर रिस्पॉन्सिबल अधिकारी को प्रदान करने निर्देशित किया। तत्काल स्थानीय नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम अपने शमन उपकरणों के साथ आग बुझाने के लिये पहुँची और उनके कर्मियों के द्वारा फैक्ट्री के बचाव टीम के साथ आग बुझाने की कार्यवाही में सहयोग देना प्रारंभ कर दिया। मेसर्स-भंसाली इंजीनियरिंग, पॉलीमर्स लिमिटेड, सौंसर (जिला पांढुर्णा) के द्वारा प्रॉक्सिमिटी सूट उपलब्ध कराये गये। जिससे रेस्क्यूअर जलती आग के बीच में अंदर गये और थोड़ी देर बाद बाहर आकर बताया कि अंदर अभी और आग बुझाने की आवश्कता है एवं किसी बंद कमरे में मदद के लिये चिल्लाने की आवाज आ रही थी।

प्रयास करने पर भी उस कमरे का दरवाजा नहीं खोला जा सका।

सांसद ने कलेक्टर को फोन कर किसानों की मांगों का निराकरण करने के लिए कहा

सांसद ने खत्म कराया किसानों का धरना

छिन्दवाडा। पांढुर्णा जिले के मोहगांव जलाशय के पीड़ित किसान अपनी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर जल संसाधन कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए थे। जिसकी जानकारी मिलते ही सांसद बंटी विवेक साहू ने किसानों से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं को जाना और तत्काल ही कलेक्टर अजय देव षर्मा को फोन कर किसानों की मांगो का षीघ्र निराकरण करने के लिये कहा, साथ ही किसानों को आष्वासन दिया कि वे जल्द ही भोपाल में मंत्री एवं अधिकारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों का निरकरण कराईगे । वही किसानों द्वारा उनके गांव में मोक्षधाम की मांग की गई जिसका तत्काल ही निराकरण करते हुए अपनी सांसद निधि से 2 लाख की राशि मोक्षधाम निर्माण के लिये स्वीकृत की । सांसद द्वारा उनकी मांगों को सुनकर शीघ्र निराकरण का आश्वासन मिलने पर किसानों ने उनका धरना खत्म कर दिया ।

उल्लेखनीय है कि मेहगांव जलाशय के गांव नंदवानी, मुगनापार, सरकी खापा और जोबन डेरा के किसान अपनी मांगो को लेकर आए थे। इनमें से बहुत सारी समस्याओं का समाधान प्रशासन ने कर लिया है। किसानों ने बताया कि हमने अपनी मांगों के बिंदु सांसद के सामने रखे। उन्होंने समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कलेक्टर से चर्चा की। कलेक्टर ने हमें बताया कि कुछ चीजें शासन स्तर पर होनी हैं, जैसे कि मुद्रांक शुल्क और हाई लेवल ब्रिज के लिए मंत्री से चर्चा करना प?ेगा। सांसद द्वारा उनकी मांगो को गम्भीरता पूर्वक लेने एवं मोक्षधाम के लिये तत्काल ही 2 लाख की सांसद निधि देने पर किसानों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

कमलनाथ व नहकुलनाथ ने कहा संतों के चरणों से पावन होती है धरा

छिन्दवाड़ा। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज के नगर आगमन पर मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि महाराज श्री का स्वागत व अभिनंदन है। कमलनाथ ने आगे कहा कि महाराज श्री के आगमन से नगर और पुनीत हुआ। संतों के आगमन से धार्मिक वातावरण निर्मित होता है साथ ही लोगों के बीच धर्म के प्रति आस्था को मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज के चरणों की रज से निश्चित ही छिन्दवा?ा संसदीय क्षेत्र पुष्पित व पल्लवित होगा। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने अपने संदेश में कहा कि संतों के चरण जहां पड़े वह भूमि पवित्र हो जाती है। नगर में संतों के आगमन से धरा धन्य हो जाती है। जिस धरती का पुण्योदाय होता है वहीं संतों का समागम होता है। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज हमारी आध्यात्मिक विरासत है। शंकराचार्य जी के सानिध्य सौभाग्य से प्राप्त होता है।

प्रेम, क्षमा और बलिदान का पर्व, दुनियाभर में कैसे मनाया जाता है गुड फ्राइडे

आज गुड फ्राइडे है। ये ईसाई धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है जो प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर बलिदान को स्मरण करते हुए मनाया जाता है। ये दिन ईस्टर संडे से पहले वाले शुक्रवार को मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को 'पवित्र शुक्रवार या 'महान शुक्रवार' भी कहा जाता है।

गुड फ्राइडे का उद्देश्य यीशु मसीह के बलिदान को याद करना है, जिन्हें ईसाई धर्म में मानवता के उद्धारकर्ता के रूप में माना जाता है। यह ईसाई कैलेंडर में सबसे शोकपूर्ण दिनों में से एक है क्योंकि इस दिन यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था।

गुड फ्राइडे क्यों मनाया जाता है

गुड फ्राइडे वह दिन है जब ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। बाइबल के अनुसार, यीशु ने मानव जाति के पापों का प्रायश्चित करने के लिए अपने प्राण दिए। उन्हें यहूदी धार्मिक नेताओं द्वारा ईशनिंदा का दोषी ठहराया गया और रोमन साम्राज्य के शासक द्वारा क्रूस पर चढ़ा दिया गया।

इस बलिदान को ईसाई धर्म में उद्धार (salvation) की नींव माना जाता है। इसे 'गुड' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन के माध्यम से मानवता को पापों से मुक्ति मिली और ईश्वर से दुबारा संबंध स्थापित की राह मिली। उनकी मृत्यु को ईसाई मान्यता में मानवता के पापों के प्रायश्चित के रूप में देखा जाता है। यह बलिदान ईसाई धर्म के मूल सिद्धांतों में से एक है जो सिखाता है कि यीशु ने

अपनी मृत्यु के माध्यम से मानवता को अनंत जीवन का मार्ग प्रदान किया। गुड फ्राइडे का महत्व इस विश्वास में निहित है कि यीशु की मृत्यु के बाद तीसरे दिन उनका पुनरुत्थान हुआ, जिसे ईस्टर संडे के रूप में मनाया जाता है।

दुनियाभर में कैसे मनाया जाता है गुड फ्राइडे

इस दिन वेटिकन सिटी पोप स्वयं गुड फ्राइडे की प्रार्थना और Way of the Cross का नेतृत्व करते हैं, जो विश्वभर के ईसाइयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। गुड फ्राइडे को दुनिया भर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, लेकिन इसका मूल भाव शोक, प्रार्थना और आत्मचिंतन में होता है। कुछ प्रमुख परंपराएं इस तरह हैं~

चर्च में प्रार्थना और सेवा~ईसाई चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं और पूजा-अर्चना आयोजित की जाती हैं। कई चर्चों में ÷स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस÷ (Stations of the Cross) का आयोजन होता है, जिसमें यीशु के क्रूस पर चढ़ने की यात्रा को चित्रों या मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाता है। कुछ समुदायों में ÷थ्री आवर सर्विस÷ (Three Hour Service) होती है, जो दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चलती है, क्योंकि बाइबिल के अनुसार यीशु इसी समय क्रूस पर थे।

उपवास और संयम~कई ईसाई इस दिन उपवास रखते हैं, जो यीशु के बलिदान के प्रति सम्मान और आत्म-संयम का प्रतीक है। कुछ देशों में, जैसे फिलीपींस और मेक्सिको में कई लोग कठोर तपस्या करते हैं, जिसमें आत्म-प्रकटीकरण या प्रतीकात्मक रूप से क्रूस को ढोना शामिल हो सकता है।

जुलूस और नाट्य प्रदर्शन~ कई स्थानों पर जैसे कि स्पेन, इटली और लैटिन अमेरिकी देशों में गुड फ्राइडे पर विशाल जुलूस निकाले जाते हैं। इनमें यीशु और माता मरियम की मूर्तियों को सजाकर ले जाया जाता है। कुछ स्थानों पर ÷पैशन प्ले÷ (Passion Play) का आयोजन होता है, जिसमें यीशु के जीवन, कष्ट और मृत्यु को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

शांति और मौन~ कई देशों में गुड फ्राइडे पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है और लोग इस दिन पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रार्थना और चिंतन में समय बिताते हैं। कुछ स्थानों पर, जैसे जर्मनी और आयरलैंड में इस दिन नृत्य या उत्सव जैसे आयोजनों पर प्रतिबंध होता है।

संपादकीय

रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का लगाया अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार अनुमानों के मुताबिक रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती कर दी है। करीब पांच वर्षों तक रेपो दर में कोई कटौती नहीं की गई थी। फरवरी में पच्चीस आधार अंक की कटौती की गई थी। यह दूसरी कटौती है। इससे बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ने और भवन, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ कम होने का रास्ता आसान हो गया है। रिजर्व बैंक यह फैसला इसलिए कर पाया कि इस वक्त अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी नीचे आ गई हैं, गेहूं और दालों का अच्छा उत्पादन हुआ है, खुदरा महंगाई का रुख नीचे की तरफ है। आगे भी महंगाई के नीचे रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का अनुमान लगाया है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य भी यही था कि महंगाई को चार फीसद के आसपास रखा जा सके। इसलिए अब उसने अपना ध्यान विकास दर पर केंद्रित कर दिया है। फिलहाल विकास दर साढ़े छह फीसद पर रहने का अनुमान है। जिस तरह अमेरिकी शुल्क नीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत के लिए अपना सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी हो गया है। इस वक्त अच्छी बात है कि विनिर्माण क्षेत्र में सुधार नजर आ रहा है, जो चिंताजनक स्तर तक गोते लगा चुका था। विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर होने का असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। यह क्षेत्र इसलिए कमजोर पड़ा हुआ था कि महंगाई आम लोगों की सहनशक्ति से ऊपर चली गई थी और उन्होंने अपने दैनिक उपभोग में कटौती करनी शुरू कर दी थी। अब महंगाई घटी है, तो स्वाभाविक रूप से उपभोग का स्तर उठेगा, जिससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा। रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में कमी आती है। इसका लाभ कर्ज लेने वालों को तो मिलता है, पर बचत खाते आदि में पैसा जमा कराने वालों को नुकसान होता है। हालांकि जिन लोगों के पास पूंजी अधिक है, वे लंबी अवधि की योजनाओं में जमा कर अधिक ब्याज का लाभ ले सकते हैं। सबसे अधिक राहत वाहन, भवन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों को महसूस होती है, पर बैंक चूंकि लंबे समय से कारोबारी शिथिलता से जूझ रहे हैं, वे रेपो दर में पच्चीस आधार की कटौती का लाभ तुरंत अपने ग्राहकों को देना शुरू कर देंगे, कहना मुश्किल है। इस वक्त जिस तरह विश्व बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, निर्यात में और कमी आने की चिंता बढ़ गई है। पहले ही निर्यात के मामले में संतोषजनक वृद्धि नहीं हो पा रही थी, कई देशों के साथ व्यापार घाटा चिंताजनक दर से बढ़ रहा था, उसमें घरेलू बाजार को मजबूत करने पर बल देना होगा। रिजर्व बैंक का कहना है कि बाजार में अतिरिक्त पूंजी प्रवाह बढ़ाया जाएगा, इससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा, मगर खपत बढ़ाना फिर भी बड़ी चुनौती रहेगी। ऐसे में, रेपो दर में कटौती का लाभ इस बात पर निर्भर करेगा कि घरेलू बाजार को मजबूत करने पर कितना जोर दिया जा रहा है। जब बेरोजगारी की दर पर काबू पाने और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के साधन विकसित नहीं हो पा रहे हैं, तो उसमें केवल रेपो दर में कटौती से आर्थिक बेहतरी का दावा करना मुश्किल ही बना रहेगा।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

-संतोष कुमार पाठक

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को %पलायन रोको, नौकरी दो% यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि , अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई। आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआई (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है।

जीवन धाराः हम अपनी जिंदगी में क्या चुनें? सही जवाब का एक ही सूत्र- सकारात्मक विचार रखें

-ज्योति भास्कर

मेरे एक रिश्तेदार ने एक महिला भविष्यवक्ता से अपना भविष्य पूछा। भविष्यवक्ता ने उससे कहा, 'तुम्हारा दिल बहुत कमजोर है, और अगली अमावस्या को तुम मर जाओगे।' वह स्तब्ध रह गया! उसने अपने परिजन को यह भविष्यवाणी बताई। उसने अपने वकील से मिलकर अपनी वसीयत ठीक करवा ली। जब मैंने उसे उसके विश्वास से डिगाने की कोशिश की, तो उसने कहा, 'उस भविष्यवक्ता में अद्भुत पारलौकिक शक्तियां हैं। वह लोगों का बहुत भला या बुरा कर सकती है।' उसे भविष्यवाणी की सत्यता पर पूर्ण विश्वास था। जैसे-जैसे अमावस्या नजदीक आई, वह खोया-खोया रहने लगा। एक महीने पहले वह व्यक्ति खुश, स्वस्थ, उत्साही और जोशीला था। अब वह बीमार दिखने लगा।

अमावस्या के दिन उसे गंभीर हार्ट अटैक आया, और वह मर गया। उसे नहीं पता था कि उसकी मृत्यु का कारण वह स्वयं था। हममें से कितनों ने ऐसी कहानियां सुनी हैं। सच है कि यह दुनिया रहस्यमयी, अनियंत्रित शक्तियों से भरी है, लेकिन अनियंत्रित नहीं है।?मेरे रिश्तेदार ने स्वयं अपनी जान ले ली, क्योंकि उसने शक्तिशाली नकारात्मक सुझाव को अपने अवचेतन मन में प्रवेश करने दिया। उसे भविष्यवक्ता की शक्तियों पर भरोसा था। उसने उसकी भविष्यवाणी को सच माना। अवचेतन मन की कार्यप्रणाली के आधार पर इस घटना को समझें।

व्यक्ति का चेतन या तार्किक मस्तिष्क जिस बात पर यकीन करता है, उसका अवचेतन मन उसे स्वीकार कर लेता है और उसके अनुसार कार्य करता है। मेरा रिश्तेदार जब भविष्यवक्ता के पास गया, तो वह सुझाव ग्रहण करने की मनोदशा में था। भविष्यवक्ता ने उसे नकारात्मक सुझाव दिया, जिससे वह दहशत में आ गया। उसे पूर्ण विश्वास था कि अमावस्या के दिन वह मर जाएगा। मृत्यु के प्रति भय को अवचेतन मन ने सत्य मान लिया और उसकी मृत्यु को वास्तविकता में बदल दिया। जिस भविष्यवक्ता ने उसकी मृत्यु की भविष्यवाणी की, उसकी शक्ति मैदान के पत्थरों और लकड़ियों से अधिक नहीं थी।

उसके सुझाव में जान लेने की शक्ति नहीं थी। यदि वह?मन के नियमों को जानता, तो वह इस नकारात्मक सुझाव को पूर्णतः अस्वीकार कर देता और भविष्यवक्ता के शब्दों पर तनिक भी ध्यान नहीं देता। यदि उसे पता होता कि वह अपने विचारों और भावनाओं द्वारा नियंत्रित होता है, तो वह जीवित रह सकता था। तब भविष्यवक्ता की भविष्यवाणी बख्तरबंद टैंक पर फेंकी गई रबर की गेंद जैसी होती। वह आसानी से उस सुझाव को नकार सकता था और उसे हवा में उड़ा सकता था, जिससे उसे कोई हानि न होती। परंतु, जागरूकता और समझ की कमी के कारण उसने अपनी मृत्यु को स्वयं आमंत्रित किया। दूसरों के सुझावों में स्वयं कोई शक्ति नहीं होती। आप अपने विचारों द्वारा उन्हें शक्ति प्रदान करते हैं। आपको अपनी मानसिक सहमति देनी होती है। आपको उस विचार को स्वीकार करना होता है। तभी वह विचार आपका बनता है, और आपका अवचेतन मन उसे साकार करने के लिए कार्य करता है। याद रखें, आपके पास चुनने की शक्ति है। इसलिए जिंदगी चुनें! प्रेम चुनें! सेहत चुनें!

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है।

-ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषत: किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए।

सर्दियों में सुंदरता

सर्दियों का मौसम यूं तो सभी को अच्छा लगता है, लेकिन सर्दियों में खुद को सुंदर और स्वस्थ बनाए रखना आसान नहीं है। कभी बालों में चमक कम हो जाना, कभी होंठों और त्वचा में सूखापन आ जाना और कभी चेहरे की चमक फीकी पड़ जाना..सर्दियों में इस तरह की समस्याएं अमूमन हर महिला को फेस करनी पड़ती हैं। वे कौन से सूत्र हैं, जिन्हें अपना कर आप सर्दियों में भी अपनी खूबसूरती को बनाए और बचाए रख सकती हैं। भारती की एक रिपोर्ट

सर्दियों का मौसम किसे अच्छा नहीं लगता? झुलसा देने वाली गर्मी और बरसात की नमी के बाद सर्दियों की धूप सभी को लुभाती है। लेकिन इस बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर पड़ता है हमारे शरीर पर। खासकर सर्द मौसम में होने वाली सर्दी, जुकाम जैसी बीमारियों के अलावा ठंडी हवाओं से हमारे चेहरे का भी बुरा हाल हो जाता है। सर्दी के मौसम में चलने वाली ये सर्द हवाएं हमारे चेहरे और बालों की नमी चुरा लेती हैं। इसलिए सर्दियों में हमारी त्वचा खिंची-खिंची और बाल बेहद रूखे और बेजान से हो जाते हैं। ऐसे में हम इस मौसम का पूरा मजा नहीं ले पाते।

कैसे पाएं खूबसूरती

दरअसल हर मौसम में खुद को सुंदर बनाए रखने का फार्मूला अलग होता है। मौसम के हिसाब से सुंदर और स्वस्थ रहने के तरीके बदल जाते हैं। जहां तक सर्दियों की बात है तो ये ऐसा मौसम होता है, जब आपका मन सिर्फ रजाई में दुबक कर गर्म-गर्म चाय और पकौड़े खाने का करता है। ऐसे में हम खुद पर ध्यान देना कम कर देते है। लेकिन अगर आप इस मौसम में होने वाली परेशानियों से बच कर, सर्दियों का पूरा मजा उठाना चाहते हैं तो बस अपने लिए थोड़ा-सा समय निकाल कर कुछ आसान से नुस्खों को अपनाएं। फिर देखिए सर्दियों में भी आपका चेहरा रूखा और बेजान नहीं, बल्कि खिला-खिला नजर रहेगा।

तेज गर्म पानी से न नहाएं

वैसे तो सर्दियों में गर्म-गर्म पानी से नहाना अच्छा लगता है। लेकिन ज्यादा गर्म पानी से नहाने से त्वचा बहुत रूखी हो जाती है। इससे शरीर में खुजली की समस्या भी रहने लगती है। इसलिए ज्यादा तेज गर्म पानी से न नहाएं। हां, आप गुनगुने पानी से नहा सकती हैं। अगर आपकी त्वचा बेहद रूखी है तो नहाने से पहले शरीर पर नारियल का तेल लगाएं और नहाने के पानी में थोड़ा-सा सरसों का तेल डाल लें।

ऐसे रखें खुद को स्वस्थ और खूबसूरत

भरपूर पानी पीएं- सर्दियों में शरीर का तापमान बहुत कम होता है, इसलिए हमें पानी की प्यास कम लगती है। लेकिन सर्दी हो या गर्मी स्वस्थ रहने के लिए दिन में 10 से 12 ग्लास पानी पीना जरूरी हैं। अक्सर सर्दियों में कम पानी पीने की वजह से हमारे शरीर से जहरीले टॉक्सिन बाहर नहीं निकल पाते और हमें पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे कब्ज, एसिडिटी और मुहांसे हो जाते हैं। ऐसी परेशानियों से बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू डाल कर पिएं। इससे शरीर में गर्मी बनी रहेगी और पेट भी साफ रहेगा।

चेहरे का रखें खास ख्याल

सर्दियों में हमारी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। इसलिए सर्दियों में अपने चेहरे का खास ध्यान दें। इस मौसम में कभी भी गर्म पानी से चेहरा न धोएं।

सर्दियों में पहले हमेशा हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धोएं फिर ठंडे पानी से चेहरा साफ करें। ऐसा करने से आपके चेहरे की नमी बनी रहेगी और त्वचा में ज्यादा रूखापन भी नहीं आएगा।

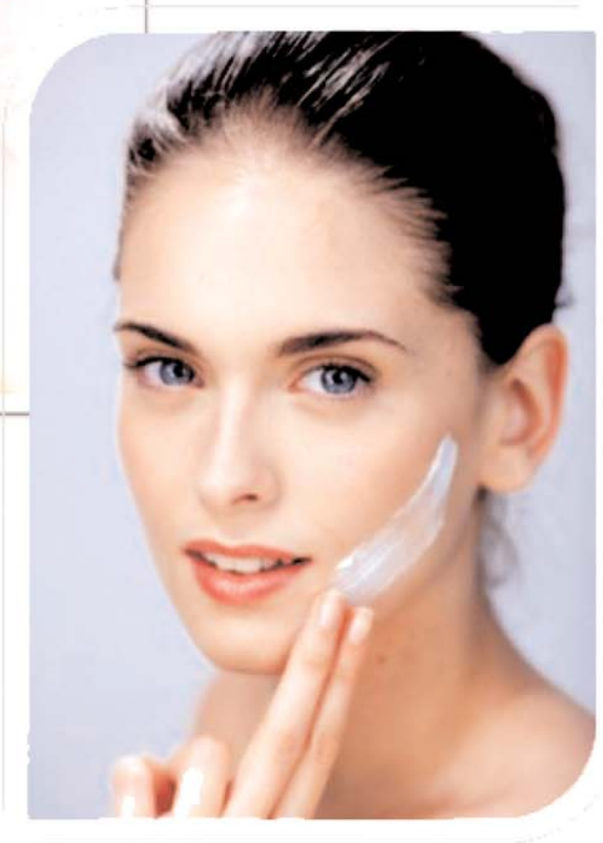

चेहरे को धोने के बाद रगड़ कर साफ न करें। हमेशा हल्के हाथ और नर्म कपड़े से चेहरा पोंछें।

क्लींजिंग, टोनिंग, मॉश्चराइजिंग सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में चेहरे की सुन्दरता बनाएं रखने के लिए क्लींजिंग, टोनिंग और मॉश्चराइजिंग बेहद जरूरी है। सर्दियों में भी इसे छोड़ना नहीं चाहिए।

सर्दियों में चेहरा साफ करने के लिए साबुन की बजाए क्रीमयुक्त क्लींजर का इस्तेमाल करें, साथ ही कैमिकलयुक्त टोनर की बजाए आयुर्वेदिक टोनर लगाएं। ठंडे मौसम में कोल्ड क्रीम या मॉश्चराइजर को हल्के हाथ से अपने चेहरे के साथ-साथ अपने पूरे शरीर पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा में नमी बनी रहेगी।

ऐसे बनी रहेगी बालों की चमक

सर्द मौसम में न सिर्फ चेहरा बेजान हो जाता है, बल्कि बालों की चमक भी कम हो जाती है। सर्दियों में बालों की चमक बरकरार रखने के लिए उनका खास ख्याल रखना जरूरी है-

बालों को धोने से 2-4 घंटे पहले उनमें नारियल या बादाम का तेल लगाएं।

बालों को गर्म पानी से बिल्कुल न धोएं। इससे बालों की नमी चली जाती है। इसलिए बाल धोने के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

बालों में चमक के लिए उन्हें हल्के गुनगुने पानी से धोने के बाद कंडीश्नर लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो दें।

फटे होंठ और एड़ियों को बनाएं मुलायम

सर्दियों में होंठ और एड़ियों का फटना आम समस्या है। लेकिन सर्दियों की शुरुआत में ही इस समस्या को बढ़ने से रोक लेना जरूरी है, नहीं तो ये परेशानी लम्बे समय तक बनी रहती है।

फटे होंठों पर शहद और ग्लिसरीन मिला कर लगाएं। इससे होंठ मुलायम और गुलाबी हो जाएंगे।

फटी एड़ियों को ठीक करने के लिए पैरों की सफाई पर खास ध्यान दें। रात को सोने से पहले पैरों को गुनगुने पानी में शैम्पू, नमक, फिटकरी और डिटॉल डाल कर अच्छे से धोएं। फिर उन्हें पोंछ कर पेट्रोलियम जैली लगाएं।

- फटे होंठों को दांत से न चबाएं। ऐसा करने से होंठों में दरारें पड़ जाती हैं और उनसे खून भी आ सकता है।
- क्या करें, क्या ना करें
- ओवर ईटिंग से बचें
- सन्सक्रीम जरूर लगाएं
- फलों का सेवन करें
- एलोवेरा या एलोवेरा से युक्त क्रीम का प्रयोग करें
- एक्सरसाइज करना ना भूलें
- कटे हुए फल ना खाएं
- केले और शहद को मिला कर चेहरे और हाथों पर लगाएं
- फटी एड़ियों पर मोम पिघला कर लगाएं, इससे फटी एड़ियों की दरारें भर जाती हैं।
- चेहरे को साबुन से ना धोएं, किसी क्लींजर युक्त क्रीम का प्रयोग करें

कम्प्यूटर के साथ सेहत की बात

आजकल हर ऑफिस में कम्प्यूटर का चलन आम हो गया है। आपको कभी-कभी ऐसा लगता होगा कि कम्प्यूटर पर काम करते-करते आँखों में परेशानी होने लगी है। आपके कंधों या पीठ में दर्द होने लगा है।

घंटों कम्प्यूटर को ताकते हुए काम करना दिमागी थकान पैदा करता है। आइए जानते हैं, कैसा हो आपका कार्य करने का स्थान कि आपको ज्यादा थकान न हो?

आप जहाँ बैठकर काम करते हैं वह स्थान खुला तथा हवादार हो।

जो कुर्सी आप उपयोग करते हैं वह एडजस्टेबल हो।

यदि कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हों तो प्रत्येक 40 मिनट के बाद कीबोर्ड और मॉनीटर से ब्रेक लें। इसके बाद दूर रखी किसी वस्तु पर ध्यान दें जिससे आँखों की मांसपेशियों को आराम मिलेगा।

मॉनीटर की हाइट इतनी हो कि आपकी आँखों की सीध में हो।

ह्यष्ठअपनी कलाइयों को नीचे से सपोर्ट दें ताकि वे थकें नहीं।

एक एडजस्टेबल टेबल लैम्प का उपयोग करें जिसके बल्ब की रोशनी चुभने वाली न हो।

ऐसी स्थिति में बैठें कि आपके हाथ कीबोर्ड पर सीधे रहें। हाथों के ऊपरी और अग्रभाग के बीच 70-90 डिग्री का कोण बने।

इस बात का ध्यान रखें कि इलेक्ट्रिक वायर्स पैरों के आसपास न हों।

आपके बैठने का तरीका, कुर्सी की सही स्थिति और स्क्रीन का सही एंगल हो तो पीठ दर्द और अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है।

मूँगफली : सेहत की सहेली

सबके लिए खास, ठंड का 'टाइम पास' मूँगफली में सभी पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। भारत में इसे 'गरीबों का काजू' के नाम से भी जाना जाता है।

भारत में सिकी हुई मूँगफली खाना काफी प्रचलित है, इसे 'टाइम पास' के नाम से भी जानते हैं।

जो लोग टाइम पास के नाम पर मूँगफली का सेवन करते हैं, उनमें से अधिकतर इसके गुणों के बारे में नहीं जानते और अनजाने में ही कई पौष्टिक तत्व ग्रहण कर लेते हैं, जो उनके शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहते हैं।

मूँगफली में प्रोटीन, चिकनाई और शर्करा पाई जाती है। एक अंडे के मूल्य के बराबर मूँगफलियों में जितनी प्रोटीन व ऊष्मा होती है, उतनी दूध व अंडे से संयुक्त रूप में भी नहीं होती।

इसकी प्रोटीन दूध से मिलती-जुलती है, चिकनाई घी से मिलती है। मूँगफली के खाने से दूध, बादाम और घी की पूर्ति हो जाती है। मूँगफली शरीर में गर्मी पैदा करती है, इसलिए सर्दी के मौसम में ज्यादा लाभदायक है। यह खाँसी में उपयोगी है व मेदे और फेफड़े को बल देती है।

भोजन के बाद यदि 50 या 100 ग्राम मूँगफली प्रतिदिन खाई जाए तो सेहत बनती है, भोजन पचता है, शरीर में खून की कमी पूरी होती है और मोटापा बढ़ता है। इसे भोजन के साथ सब्जी, खीर, खिचड़ी आदि में डालकर नित्य खाना चाहिए। मूँगफली में तेल का अंश होने से यह वायु की बीमारियों को भी नष्ट करती है।

मुट्ठीभर भुनी मूँगफलियाँ निश्चय ही पोषक तत्वों की दृष्टि से लाभकारी हैं। मूँगफली में प्रोटीन, केलोरिज और विटामिन के, इ, तथा बी. होते हैं, ये अच्छा पोषण प्रदान करते हैं।

मूँगफली पाचन शक्ति को बढ़ाती है, रुचिक6 र होती है, लेकिन गरम प्रकृति के व्यक्तियों को हानिकारक भी है। मूँगफली ज्यादा खाने से पित्त बढ़ता है अतः सावधानी रखें।

धर्मशाला के लिए ढाई करोड़ रुपए की जमीन दान की समाज ने किया सम्मान

आष्टा। राठौर समाज के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी आज का दिन श्री क्षत्रिय राठौर समाज आष्टा के लिए बहुत बड़ासौभाग्यशाली दिन मनोज राठौर पिता शांति लाल राठौर द्वारा राठौर समाज को एक एकड़ जमीन दान दी जिसकी कीमत लगभग दो करोड 50,000,00 लाख रुपए है नेशनल हाइव से 752 से लगी हुई जमीन है एवं ओर बाकी की बची जमीन 8 एकड़ 5 साल के लिए खेती करने के लिए श्री क्षत्रिय राठौर समाज को दी गई पूरा राठौर समाज आपका हमेशा आभारी रहेगा राठौर समाज के ऐसे प्रेरणादायक समाजसेवी आदरणीय चाचा स्वर्गीय श्री श्री शांति लाल जी के चरणों में मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और मनोज जी राठौड़ और उनके पूरे परिवार को नमन करता हूं उनके इस निर्णय से आगे भी समाज को प्रेरणा मिलेगी वह समाज के अन्य व्यक्ति भी इस तरह के कार्य के लिए आगे आएंगे। पूरा राठौर समाज आपके साथ रहेगा।

वनमंडलाधिकारी के प्रयास से 36 बेरोजगार युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

बैतूल। दक्षिण वन मंडल के डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन में दक्षिण वन मंडल के अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र तासी,आमला, मुलताई, भैसदेही, सावलमेंढा एवं आठनेर से कुल 36 ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को एलएंडटी लखनादौन, सिवनी में निःशुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण हेतु भेजा गया। प्रशिक्षण के बाद इन युवाओं को एलएंडटी कंपनी में प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये के वेतन पर प्लेसमेंट भी दिया जाएगा। इससे युवाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उनके सामाजिक स्तर में भी सुधार आएगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। इस कार्य में युवाओं को प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित करने में उपवन मंडल अधिकारियों एवं संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ग्रामीण युवाओं का चयन कर इस प्रकार का सुनियोजित अवसर देना वन विभाग की एक सराहनीय पहल मानी जा रही है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की आशा की जा रही है।

नगरपालिका परिषद् द्वारा कराया गया 85 जोड़ों का सामूहिक विवाह

खरगोन। शासन की मुख्यमंत्री कन्यादान योजनांतर्गत 16 अप्रैल को सर्व समाज वर्ग की कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन

कपास मण्डी आनंद नगर खरगोन में संपन्न हुआ। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम कुल 85 जो?ों का विवाह संपन्न हुआ है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री बीएस कलेश, सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री धर्मेन्द्र गांगले, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री एमआर निगवाल, इंजीनियर श्री केके जोशी, राजस्व अधिकारी श्री महेश वर्मा, श्री राजेन्द्र चौहान सहित समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नरवाई जलाने पर 7 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज

सिवनी। कृषि विभाग द्वारा जिले में नरवाई जलाने को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी होने के उपरांत भी खेत की नरवाई जलाना पाया जाने पर ग्राम बींझावाड़ा के 07 व्?यक्तियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।जिसमें शिवकुमार बघेल, दिलिप बघेल, नितिन बघेल, शेरसिंह बघेल, ओंम बघेल, दिपक बघेल तथा दिलेर सिंह बघेल पर एफआईआर दर्ज की गई है। उल्?लेखनीय है कि नरवाई जलाने से आगजनी की घटनाओं तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनजर कलेक?टर एवं जिला दण्?डाधिकारी सिवनी के आदेश क्रमांक 1990/एचडब?ल्/2025 दिनांक 17 मार्च 2025 के माध्यम से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गए हैं।

आयुष अस्पताल बनकर तैयार: सीएम डॉ. मोहन सिंधिया करेंगे शुभारंभ, मई में होगा उद्घाटन

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में सबसे बड़ा आयुष अस्पताल बनकर तैयार हो गया है। इसका उद्घाटन मई के महीने में होगा। प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस हॉस्पिटल का शुभारंभ करेंगे। जल संसाधन मंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।

इंदौर के मांगलिया क्षेत्र में बना 60 बिस्तरों वाला शासकीय आयुष (आयुर्वेद) चिकित्सालय अब उद्घाटन के लिए तैयार है। लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस अस्पताल का शुभारंभ मई महीने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में किया जाएगा। गुरुवार को जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने अस्पताल भवन का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि भवन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और अब मशीनें और जरूरी मेडिकल उपकरण लगाने का काम अंतिम चरण में है। मंत्री सिलावट ने कहा कि यह अस्पताल न सिर्फ ग्रामीणों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगा, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई पहचान भी बनाएगा। उन्होंने अस्पताल में 10 एसी लगाने और एक एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की।

साथ ही परिसर में बगीचा विकसित करने और पास के नाले के सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए। अस्पताल में पंचकर्म, योग, सोनोग्राफी, एक्स-रे, पैथोलॉजी, प्रसव जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मंत्री ने अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन भी लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसी दिन मंत्री सिलावट ने सांवेर क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डकाच्या का भी निरीक्षण किया। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए केंद्र का अपग्रेडेशन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से इसके लिए 1.59 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। केंद्र में वार्ड, लैब, ओटी, लेबर रूम, रिकॉर्ड रूम, और वेटिंग एरिया जैसी सुविधाएं तैयार की जा रही हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान, गांव की बच्चियों ने हाथों में मेहंदी रचाकर पानी बचाने के लिए लोगों को किया जागरुक

छतरपुर जिले में कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आमजन को जल संरक्षण जागरूकता शपथ, जलाशयों में श्रमदान कर स्वच्छता कार्य सहित जल की महत्वता पर जन चौपालों के माध्यम से परिचर्चाएं की जा रही है। विगत दो दिवसों में जल गंगा संवर्धन में ग्राम पंचायत पहाड़ी मैमारू में ग्रामीण लोगों की बैठक कर लोगों को तालाबों, कुएं एवं बाव?ियों की सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया और श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही गांव की बच्चियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान चलने पर हाथों में मेहंदी लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस जागरूकता बैठक में परामर्शदाता वंदना तिवारी, समाजसेवी रितमता सक्सेना और सीएमसीएलडीपी छात्र उपस्थित रहे। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रताप सागर तालाब की सफाई अभियान का कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से नवांकुर संस्था से अनूप तिवारी, हाइड्रोलॉजिस्ट राहुल दुबे, कृषि विशेषज्ञ इरशाद खान, नामांकित संस्था से नेहा तिवारी एवं उनकी टीम में शिप्रा तिवारी, प्रीति पांडे, परामर्शदाता वंदना तिवारी, एमएसडब्ल्यू बस स्टूडेंट के सहयोग से प्रताप सागर सरोवर की सफाई कार्य किया गया।

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

मप्र में भी लागू हो छत्तीसगढ़ जैसा पत्रकार सुरक्षा कानून

मंडला। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इस समय संकट में है। इस स्तंभ को चकनाचूर करने के लिए मध्य प्रदेश के मंडला जिले में लगातार साजिश की जा रही है। लगातार पत्रकार साजिश का शिकार हो रहे हैं।पत्रकारों के साथ मारपीट की घटनाएं झूठे केस में फसाने और कई तरह से प्रताड़ित करने की घटनाएं अब आम बात हो गई है।जो पत्रकार जनहित में जिले में काम कर रहे हैं।जन समस्याओं को प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षण करा रहे हैं सरकारी योजना में हो रही गड़बड़ी को उजागर कर रहे हैं उन्हें जिले में निशाना बनाया जा रहा है।पिछले दिनों मध्य प्रदेश के मंडला जिले की जनपद पंचायत नैनपुर क्षेत्र की पंचायत में एक पत्रकार के साथ सामूहिक रूप से मारपीट की गई और झूठा आरोप लगाकर शिकायत की और आपस में राजीनामा करने का दबाव बना लिया।मंडला के पत्रकारों ने जिले के पुलिस अधीक्षक को इस आशय का ज्ञापन सौंपा है कि सही जांच पड़ताल की जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए साथ में मांग की गई है कि पत्रकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए,जिस तरह से निकटवर्ती राज्य छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हुआ है।उसी तरह से मध्य प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून लागू किया जाए। पत्रकार आलोक जैन,सावन सिंह ठाकुर, राजेश यादव, सुरेन्द्र श्रीवास, विजय साहू, हरवंश ठाकुर, शंभू शुक्ला, टीकाराम चौधरी, संजय ताम्रकार, प्राशांत पटेल मौजूद रहे।

राज्यपाल 19 अप्रैल को प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य कानूनगो ने प्रतापगढ़ का भ्रमण

अबेदुल्लागंज (संवाददाता)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापग? में आयोजित संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को प्रातः 10.50 बजे ग्राम प्रतापग? पहुचेंगे और यहां प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके उपरांत ग्राम प्रतापग? में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों के आवासों का भ्रमण कर संवाद करेंगे। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो द्वारा गुरूवार को प्रतापग? का भ्रमण कर कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया द्वारा उन्हें

कार्यक्रम की तैयारियों से अवगत कराया गया। प्रियंक कानूनगो द्वारा सिलवानी स्थित विश्राम गृह में पत्रकारगणों से राज्यपाल के आगमन तथा कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में चर्चा भी की गई।

प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा जिला अध्यक्ष ने प्रकट किया आभार

मप्र के मुखिया डॉ मोहन यादव के मंडला आगमन पर हुए विभिन्न कार्यक्रम संपन्न

मण्डला। मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंडला आगमन पर आयोजित कार्यक्रमों में लाडली बहन योजना अंतर्गत 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 1552.38 करोड़ राशि का वितरण,1100 जोड़ों का सामूहिक विवाह,सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरण, 450 रुपए में गैस सिलेंडर रिफिल योजना अंतर्गत 25 लाख से अधिक बहनों के खाते में 57 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण और लगभग 232 करोड़ रुपए की लागत के 66 विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में पधारे समस्त आगंतुक जनों,कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन की व्यवस्था में भूमिका निभाने वाले सदस्यों,स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों,भाजपा के पदाधिकारियों ,कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम में पधारे जनसमूह का कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

लाडो अभियान के तहत जिला प्रशासन की अपील,नाबालिगों की शादी नहीं करें

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने जिले के लोगों से 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया एवं विशेष तिथियों पर होने वाले विवाहों में बाल विवाह नहीं करने की अपील आम जनता से की है। बाल विवाह होने की सूचना निकटतम थाने सहित आंगनवाढ़ी कार्यकर्ता, निर्धारित टोल-फ्री नम्बर एवं संबंधित परियोजना कार्यालय में दें। जिला महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह ने लाडो अभियान के तहत बाल विवाह को रोकने के लिये सामूहिक विवाह करवाने वाले आयोजकों, प्रिंटिंग प्रेस ऑनर्स, हलवाई, सामाजिक धर्म गुरूओं, मैरिज हाउस के मालिकों से अपील की है कि बालक एवं बालिकाओं के बालिक होने संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही सेवाएं प्रदान करें। मुद्रकों से अपील की गई है कि वैवाहिक पत्रिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख करें कि वर-बधु बालिक है। आयु प्रमाण के लिये स्कूल की अंकसूची, जन्म प्रमाण पत्र एवं आंगनवा?ी केन्द्र के रिकार्ड से मिलान करें। इसके लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी आयु प्रमाण पत्र मान्य किया जाएगा। बाल विवाह रोकने के लिये महिला बाल विकास कार्यालय में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जिसका दूरभाष क्र. 07682-243590, मोबाइल नम्बर 8516841808 सहित चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 के अलावा डायल 100 पर भी सूचना दी जा सकेगी। राजनगर में रजनी शुक्ला के मोबाइल नम्बर 9343219162, बिजावर के लिए राजकुमार बागरी 7389856220, बक्स्वाहा हेमलता सिंह 8269722375, ईशानगर के लिए कृपाल आठिया 6266078721, के मोबाइल नंबर 9165848289 पर बाल विवाह संबंधी सूचना दी जा सकती है।

खनिज माफियाओं के विरुद्ध जिला प्रशासन छतरपुर ने एक बार फिर कार्रवाई की

छतरपुर। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा जिले में अवैध रूप से खनिज भण्डारण और परिवहन पर लगातार कार्यवाहियां कर शिकंजा कसा जा रहा है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा विगत बुधवार को 5 अनावेदकों के खिलाफ अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर खनिज विभाग में दर्ज प्रकरणों में प्रतिवेदन के आधार पर कुल 1 लाख 66 हजार 322 रुपए राशि की पेनाल्टी अधिरोपित कर सम्बन्धित को पेनाल्टी राशि जमा कराने के आदेश दिए गए है। जिसके अंतर्गत सभी अनावेदक के वाहन ट्रेक्टर द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्त कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन, तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (2) के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अंतर्गत निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। उक्त सम्बंधित पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। जिसके जवाब अनावेदक वाहन चालकों ने उपस्थित होकर दिए और बगैर ईटीपी खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण के अपराध को स्वीकार किया। उपरोक्त प्रकरणों में कलेक्टर श्री जैसवाल द्वारा संबंधित के विरुद्ध पेनाल्टी राशि अधिरोपित कर अनावेदक वाहन चालकों द्वारा अर्थशास्ति व प्रशनन की राशि का भुगतान कर देने के उपरांत प्रकरण का प्रशमन कर वाहन मुक्त करने का खनिज विभाग को निर्देश दिया है।

अनाधिकृत रूप से बबरिया तालाब से सिंचाई के लिए पानी ले रहे व्यक्तियों की मोटर जब्त

सिवनी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी सुश्री मेघा शर्मा के निर्देशन में जल संकट के समय अनाधिकृत रूप से बबरिया तालाब से मोटर पम्प के द्वारा सिंचाई के लिए पानी ले रहें हेमराज बघेल, हेमकरन सनोड़िया एवं रक्षित विश्वकर्मा की दल द्वारा मोटर एवं पाईप जसी की कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सिवनी सुश्री संस्कृति जैन के जल संकट निवारण के लिए नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन कर उक्त व्यक्तियों द्वारा बबरिया तालाब में मोटर डाल कर फसल सिंचाई की जा रही थी।

बैतूल कोतवाली क्षेत्र नगर में फल फूल रहा सट्टे जुंआ का कारोबार

प्रभारी बने एस आई कुमरे ने चौबीस घंटों में खोल कर रख दी थी पोल

बैतूल। जिला मुख्यालय में सट्टे का कारोबार चरम सीमा पार करता जा रहा है। जिसको लेकर अब पुलिस विभाग पर से आम जनता का भरोसा पूरी तरह उठ चूका है। नगर सट्टा खब?ी की सड़को गलियो ,चौक चौराहों, नुक्कड़ो जैसे सदर ,ओवर ब्रिज जे नीचे, मुर्गी चौक , लोहिया वार्ड गंज क्षेत्र पर सट्टा बाजार का कारोबार इस कदर बेखौफ चल रहा है। कि अब जनता के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है। कि कोतवाली पुलिस की नाक के नीचे सट्टा बाजार ओपन संचालित है।जिसके लिए अब टी आई रविकांत डेहरिया की कार्य प्रणाली पर संदेह जता रहे है। बल्कि सूत्र की माने तो खबा?ी कि तमाम अवैध गति विधियो की जानकारी होने के बाउजूद भी कोतवाल साहब की कोई प्रतिक्रिया समझ नही आती आँख मूंद लेने वाली बात है। जिससे खबाडो के हौसले ब?ते जा रहे है। और लोगो को मिली भगत होने का ताना कसने का मौका मिल रहा है। इसमें हैरान करने वाली बात यह है। टी आई डहेरिया के अधीनस्थ रह चुके सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमरे को महज़ चौबीस घंटे के लिए बैतुल कोतवाली का प्रभार सौंपा गया था। तो उन्होंने शहर के विभिन्न इलाकों में खुलेआम सट्टे की पर्ची लिखने वाले सईद बाबा कोठी बाजार, राजा खान कोठी बाजार बस स्टेण्ड सोएब भाई मुर्गी चौक निखिल जैसे अन्य कुल 18 लोगो के विरुद्ध सट्टा पर्ची की ताबतो? कार्यवाही करके प्रकरण दर्ज किये थे। अब सवाल यह की जब एक दिन के लिए प्रभारी बने सब इंस्पेक्टर श्री कुमरे को सामाज को खोकला करने वाले माफियाओ की तमाम जानकारी हो सकती है। तो स्थायी टी आई रविकांत साहब के सुचना तंत्र अधिक मजबूत होने जे बावजूद जुंआ और सट्टा खबा?ी के खिलाफ कोई बड़ी कार्यवाही ना करना सीधे पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। सब इस्पेक्टर श्री कुमरे की कार्यवाही से यह तो स्पष्ट हो गया कि सट्टा संचालक के खिलाफ कार्यवाही करना मुश्किल काम नहीं है। बस कर्तव्य के प्रति अडिक रहने की जरुवत है। जिसके लिए क्या एस आई दिनेश कुमरे को दुबारा मौका मिलना चाहिए। अब जनता के मन की बात को समझे तो कोतवाल और गंज थाना के साहब अपने कर्तव्य सटीक है। तो नगर में ये सट्टा बाजार का फुल फ्लेश में संचालित होना कैसे संभव हो सकता है। और ये बिना मैनेजमेंट के संभव नहीं है। इसलिए लोग पुलिस विभाग पर भृस्टाचार और अन्य प्रकार की टिका टिप्पणी करने से नहीं चूकते। बल्कि सट्टा बाजार के संचलाक के साथ अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाली बात प्रतीत होती है। अब ऐसे में लगता है। कि पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया साहब जुंआ और सट्टे के मामले को संज्ञान में लेकर निर्देश जारी करेंगे तब ही नगर और जिले में सट्टा और जुंआ संचालन पर प्रतिबंध लगेगा। सूत्रों की माने तो घुस लेने तक की चर्चा आम हो रही है। सवाल उठता है। कि क्या जिम्मेदार ही ऐसे अपराधों के संरक्षक है। पुलिस विभाग ऐसे कुछ पात्र पाए जाने निलंबित की कार्यवाही भी होना गलत नही होगा। अन्य मामलो में भी लापरवाही के चलते अनदेखी करना और जिले को भ्रष्टाचार और घुस खोरी से मुक्त किया जाना अब जरूरी हो गया है। ताकि सट्टा और जुंआ बाजार संचालन को रोकने पर जनता के बीच बैतुल पुलिस पर भरोसा खत्म होने से बचा रहे।

इनका कहना है

मै गारंटी से कहता हूँ की मेरे कोतवाली क्षेत्र में सट्टा और जुंआ पूरी तरह बंद है कोई भी नहीं चला रहा। अगर ऐसी कोई जानकारी मिलती है। तो कार्यवाही जरूर होगी।

रविकांत डहेरिया , बैतूल कोतवाली

सोनिया , राहुल पर ईडी की कार्यवाही का इटारसी में विरोध

इटारसी। मोदी सरकार के इशारे पर ईडी द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में प्रतिपक्ष सदस्य राहुल गांधी व अन्य कांग्रेस नेताओं पर विद्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुफरान अंसारी, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेशाध्यक्ष गजानन तिवारी ,पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर के नेतृत्व में जयस्तंभ चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता युवा कांग्रेस गुफरान अंसारी ने कहा कि आजादी की लड़ाई में प्रमुख भूमिका निभाने वाले समाचार पत्र नेशनल हेराल्ड मामले में सरकार द्वारा कार्यवाही की जा रही है उसमे ई डी के द्वारा कोई कार्यवाही बनती ही नहीं है पर मोदी सरकार कांग्रेस के नेताओं के प्रश्न से घबरा कर झूठे प्रकरण बना कर दबाव बना रही है ।

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिग्रेड प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने कहा कि हमने पिछले साल में ई डी की कार्यवाही के विरोध में दिल्ली में सप्ताह भर पूरे प्रदेश के साथियों के साथ प्रदर्शन किया था। राष्ट्रीय सेवादल के अध्यक्ष लालजी भाई देसाई ने नारा दिया था न डरे न डरते है गांधी उनको कहते है,और मंच से चेतावनी देते हुए कहा कि गांधी परिवार सहित पूरे देश के कांग्रेस जन जेल भरो आंदोलन के लिए तैयार है, तुम्हारी जेल में इतनी जगह नहीं जितने लोग सोनिया गांधी और राहुल गांधी के समर्थन में जेल भरो आंदोलन के लिए तैयार होंगे। देश सहित पूरे प्रदेश और इटारसी के सभी कांग्रेस परिवार के साथी कंधे से कंधा मिलाकर गांधी परिवार और कांग्रेस के साथखड़े हैं ।पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राठौर ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ विपक्ष व कांग्रेस के नेताओं को ही जबरन निशाना बना कर असल मुद्दो से ध्यान भटका रही है मोदी सरकार अदानी,अंबानी, सेवी की पूर्व निदेशक माधवी बुच पर कार्यवाही क्यों नहीं करती। सरकार राहुल गांधी के असल सवालों से डर कर यह कार्यवाही कर रही है।वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक जैन ने कहा कि मोदी शाह देश का वातावरण बिगाड़ रहे है धर्म जाति के नाम पर लोगो को लड़ा कर महंगाई,बेरोजगारी,अर्थव्यवस्था बिगड़ती कानून व्यवस्था से ध्यान हटा रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कांग्रेस नेता संतोष गुरयानी ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में इतने भ्रष्टाचार हुए है जो उनके पार्टी के नेताओं व उद्योग पति मित्रों को बचाने के विरोधी नेताओ को सरकारी एजेंसियों के द्वारा टारगेट कर रही है। जिला महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष नेहा चावरे ने कहा कि कांग्रेस नेता त्याग समर्पण की मिसाल है उन्होंने प्रधान मंत्री पद ठुकरा दिया उन पर राहुल पर ई डी की कार्यवाही अनुचित है इसका कांग्रेस पार्टी सड़क व संसद में जवाब देगी।

कार्यक्रम का संचालन गुफरान अंसारी व आभार प्रदर्शन संजय धर ने कियारमेश वामने,लाली सलूजा, योगेश त्रिवेदी ,अंटू भाटिया,पार्षद दिलीप गोस्वामी,पार्षद सीमा भदोरिया,इरशाद अहमद सिद्दीकी,राकेश चंदेले,नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, कमल दर्डा,रामशंकर सोनकर, गोल्डी बेस,अमित गुप्ता ज्ञानेंद्र गुल्लू उपाध्याय ,दयाल लालवानी ,शंकर तिवारी, राहुल वर्मा चंद्रकांत दुबे, गोल्डी चौधरी ,सौम्य दुबे ,राहुल दुबे , गौतम मैना ,शुभम वालिया प्रशांत श्रीवास संतोष बामने सागर सेन, शेख जावेद शेख हारून आदि मौजूद रहे।

वरुण धवन-दिलजीत भी आएंगे नजर

'नो एंट्री' के सीक्वल में हुई तमन्ना की एंट्री

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शुमार 'नो एंट्री' का अब अगला भाग बनने की तैयारी में है। पिछले काफी वक्त से फैंस 'नो एंट्री' के सीक्वल का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब अंततः ये होने जा रहा है। फिल्म को लेकर अब लगातार नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से एक और खबर सामने आ रही है कि 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड की इस खूबसूरत हसीना की भी एंट्री हो गई है। 'नो एंट्री 2' में अब इंडस्ट्री के बड़े सितारों की एंट्री हो रही है। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की भी एंट्री हो गई है। तमन्ना फिल्म में प्रमुख किरदार में नजर आ सकती हैं। इन रिपोर्ट्स की मानें तो यह तमन्ना की कॉमेडी में वापसी का प्रतीक है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी चर्चाएं भी हैं कि फिल्म में तमन्ना के अलावा आदिति राव हैदरी भी एक और फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन तमन्ना और अदिति को लेकर मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है। 'नो एंट्री 2' की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में होंगे। इस तिकड़ी को एक प्रॉपर कॉमेडी फिल्म में एकसाथ देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, लोगों को उम्मीद थी कि 'नो एंट्री 2' में साल 2005 में आई 'नो एंट्री' की ही असली कास्ट वापस आएगी। जिसमें सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म में नई कास्ट ही नजर आएगी।

जिम में पसीना बहाते हुए अचानक भावुक हुईं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर जिम में पसीना बहाते हुए अपनी फोटोज-वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अब आलिया ने जिम में पसीना बहाते हुए अपना एक और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। साथ ही ये भी खुलासा किया है कि वो आखिर क्यों जिम में अचानक भावुक हो गईं।

आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में आलिया जिम में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते दिख रही हैं। जिसमें वो एक रॉड का उपयोग करके अपने हाथ और सीने की कसरत करते हुए ऊर्जा से भरपूर दिखाई दे रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए आलिया ने कैप्शन में लिखा, मुझे यकीन नहीं था कि मैं कर पाऊंगी या नहीं। लेकिन फिर मैंने किया। और अब मैं इसे लेकर संदिग्ध रूप से भावुक हूं।

वीडियो में आलिया भट्ट को हर दिन पूरी मेहनत से जिम करते हुए दिखाया गया है, जो फिटनेस के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। अभिनेत्री ने हनुमानकाइंड का ट्रेंडिंग गाना 'रन इट अप' भी वीडियो के साथ लगाया है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं। इसके अलावा आलिया जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' और यशराज फिल्म की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में दिखाई देंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग चल रही है। इन दोनों ही फिल्मों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

रितेश देशमुख ने की नई फिल्म की घोषणा

रितेश देशमुख अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक भी हैं। अब रितेश देशमुख ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है, जिसका निर्माण उनका प्रोडक्शन हाउस मुंबई फिल्म कंपनी, जियो स्टूडियो के साथ मिलकर कर रहा है। रितेश देशमुख ने घोषणा की कि उनका प्रोडक्शन हाउस भारत के सबसे महान योद्धाओं में से एक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक फिल्म पर काम कर रही है। जिसका नाम 'राजा शिवाजी' है। इस फिल्म की घोषणा के साथ ही रितेश देशमुख ने दुनियाभर के क्रिएटिव लोगों के लिए भी एक नए मौके की घोषणा की है। रितेश देशमुख ने ये घोषणा सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट के जरिए दी है। रितेश देशमुख ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो को साझा करते हुए रितेश देशमुख ने नई फिल्म की घोषणा करने के साथ ही क्रिएटिव लोगों के लिए भी घोषणा की है। अपनी इस वीडियो पोस्ट में रितेश ने कलाकारों और डिजाइनरों से अपने कौशल का प्रदर्शन करने की अपील की है। रितेश ने अपनी फिल्म के लिए लोगों से एक शानदार टाइटल लोगो तैयार करके भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सेलेक्ट हुए डिजाइनर को उसका क्रेडिट दिया जाएगा। इस वीडियो को साझा करते हुए रितेश देशमुख ने कैप्शन में लिखा, हम वर्तमान में भारत के सबसे महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसका शीर्षक 'राजा शिवाजी' है। हम एक लुभावना शीर्षक लोगो (फॉन्ट देवनागरी और रोमन अंग्रेजी) बनाने के लिए प्रतिभाशाली कलाकारों और डिजाइनरों की तलाश में हैं।

संजय दत्त ने बताया अब इंडस्ट्री में काफी कुछ बदल गया है, बोले- हमारे पास नहीं थी ऐसी सुविधा

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त इंडस्ट्री में चार दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुके हैं। अपने इतने लंबे करियर में संजय दत्त ने कई कलाकारों के साथ काम किया है और उन्होंने इस दौरान जेनेरेशन गैप का को महसूस किया है। संजय दत्त जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'द भूतनी' में नजर आएंगे। वो इन दिनों इसी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान अभिनेता ने पिछले दशकों में इंडस्ट्री में काम करने के तरीके में आए बदलाव के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने नए जमाने के कलाकारों के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

संजय दत्त ने हाल ही में फिल्म 'द भूतनी' में अपने सह-कलाकारों के बारे में बात की और बताया कि युवा पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए चीजें कैसे बदल गई हैं। उन्होंने कहा, फिल्म में सभी युवा सितारे बेहद प्रतिभाशाली हैं और उन्हें इसलिए चुना गया है क्योंकि उन्होंने ऑडिशन में अच्छा प्रदर्शन किया है।

बेशक तब और अब में बहुत अंतर है। आज के सितारों के पास एक बंधी हुई स्क्रिप्ट होने का फायदा है और उनके डायलॉग उन्हें पहले ही दे दिए जाते हैं। हमारे पास वह सुविधा नहीं थी।

अभिनेता ने इंडस्ट्री में आए बदलाव पर आगे बात करते हुए कहा, आज इंडस्ट्री बहुत अलग तरीके से काम करती है। अभिनेताओं के पास बहुत सारे फायदे हैं, चाहे वह शॉट्स के बीच वैनिटी वैन में आराम करना हो या हर जरूरत को पूरा करने वाला सपोर्ट स्टाफ। हमने बहुत अलग तरीके से काम किया। सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित 'द भूतनी' पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस हॉरर-एक्शन कॉमेडी फिल्म में संजय दत्त के साथ मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, बेयोंसिक और आसिफ खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सोनाक्षी का ट्रोलर्स को जवाब, बोलीं- 'पहले तेरे मम्मी-पापा...

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसमें एक ट्रोलर ने सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के बारे में टिप्पणी की है। इसमें ट्रोलर द्वारा लिखा गया कि उनका तलाक उनके बहुत करीब है। इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, पहले तेरे मम्मी पापा करेंगे, फिर हम.. वादा है।' सोनाक्षी के इस बेबाक अंदाज में किया गया कमेंट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल को उनकी शादी को लेकर अक्सर ट्रोल किया जाता रहता है। अभिनेत्री इन बातों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देती। इस बार अभिनेत्री ने तलाक और शादी के लिए ट्रोल किए जाने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसमें एक ट्रोलर ने सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के बारे में टिप्पणी की है। इसमें ट्रोलर द्वारा लिखा गया कि उनका तलाक उनके बहुत करीब है। इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, पहले तेरे मम्मी पापा करेंगे, फिर हम.. वादा है।' सोनाक्षी के इस बेबाक अंदाज में किया गया कमेंट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के शादी के बाद उनके रिश्ते को लेकर ट्रोलर्स द्वारा बहुत ट्रोल किया गया था। इसके बचाव में अभिनेत्री के पिता शत्रुघ्न सिन्हा आए थे और कहा था कि उनकी बेटी ने कुछ भी गैरकानूनी या असंवैधानिक नहीं किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों का काम है कहना, वो तो कहेंगे ही। इसके अलावा अभिनेत्री के पिता ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा था कि शादी एक निजी फैसला है, इसमें किसी को भी कुछ कहने का अधिकार नहीं है। अगर सोनाक्षी सिन्हा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री को आखिरी बार 2024 में बड़े मियां छोटे मियां फिल्म में देखा गया था। वहीं उसी साल अभिनेत्री हीरामंडी वेब सीरीज में भी नजर आईं थीं। इस समय अभिनेत्री अपनी आगामी तेलुगु फिल्म जटाधरा की शूटिंग में व्यस्त हैं।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में

इंदौर। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों, नीति निर्माताओं और तकनीकी क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश सरकार की ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी, सेमी-कंडक्टर्स पॉलिसी, ड्रोन पॉलिसी और एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी पॉलिसी के क्रियान्वयन के लिए गाइडलाइन जारी की जाएंगी। यह गाइडलाइन्स सरकार और निवेशकों के बीच एक पारदर्शी सेतु का कार्य करेगी। गाइडलान्स में पात्रता मापदंड, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक प्रपत्र, मानक संचालन प्रक्रिया, समय-सीमाएँ और अपील प्रणाली जैसे सभी पहलुओं को विस्तारपूर्वक समझाया गया है।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर पर ग्रीष्मकालीन ऑफर पेश किए

मुंबई, एजेंसी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने घरेलू उपकरणों को अपग्रेड करने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन ऑफर शुरू किए हैं। सीमित अवधि के इस अभियान में रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर पर 15त्न तक कैशबैक के साथ-साथ खरीदारी को और अधिक किफायती बनाने के लिए नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी दिए जा रहे हैं। ग्राहक चुनिंदा रेफ्रिजरेटर मॉडल पर 25,000 रुपये तक कैशबैक और पात्र एयर कंडीशनर पर 15,000 रुपये तक कैशबैक का आनंद ले सकते हैं। ये ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध हैं और प्रमुख निर्माताओं और वितरकों के साथ साझेदारी के माध्यम से सुगम बनाए गए हैं। एचडीबीएफएस न्यूनतम दस्तावेजीकरण, आसान पुनर्भुगतान शर्तों और तत्काल अनुमोदन द्वारा समर्थित नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प की पेशकश कर रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए इस गर्मी से बचना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। यह प्रमोशनल ऑफर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2025 तक वैध है।

लौट रहा है गर्मियों में टीवी पर राज करने? हमारा नटखटों का सरदार- शिन चेन!

मुंबई, एजेंसी। वो शरारती है, वो मनमोहक है, और जरा भी रुकने वाला नहीं है- इस सीज़न में वह फिर लौट रहा है, पूरे धमाके के साथ! तैयार हो जाइए हंसी के नॉन-स्टॉप डोज़ के लिए। इनमें होंगे पहले कभी न देखे गए एपिसोड्स और आपकी पसंदीदा फिल्में - सिर्फ सोनी ये! पर। लेकिन इतना ही नहीं - शिन चेन अब सिर्फ आपकी स्क्रीन पर नहीं, बल्कि जहां आप जाएंगे वहां भी नजर आएगा। मॉल्स से लेकर शहर के इवेंट्स तक शिन चेन आ रहा है असली दुनिया में भी, हंसी, मस्ती और ढेर सारी फोटो के साथ।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने ग्रामीण विकास पहल के तहत 298 सीमावर्ती गांवों को कवर किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी सीएसआर शाखा परिवर्तन के तहत देश भर में 298 सीमावर्ती गांवों को अपने ग्रामीण विकास पहल के तहत कवर किया है। गांवों के ये समूह असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान, सिक्किम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित हैं। बैंक की योजना आने वाले वर्षों में 150 अतिरिक्त सीमावर्ती गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ाने की है। ये पहल केंद्र के बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में उल्लिखित राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं।

हंगामा ओटीटी की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज 'हसरतें' का दूसरा सीजन रिलीज

मुंबई, एजेंसी। हंगामा ओटीटी प्लैटफ़ॉर्म पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाली ओरिजनल सीरीज 'हसरतें' के पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद अब आ रहा है इसका दूसरा सीजन। देश के सबसे लोकप्रिय डिजिटल एंटरटेन्मेंट प्लैटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा डिजिटल मीडिया ने अपनी उस सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था और यह लोकप्रिय सीरीज है- 'हसरतें-2'। यह सीरीज एक साथ कई कहानियों या एपिसोड का गुलदस्ता है। 17 अप्रैल 2025 से शुरु होने वाली इस सीरीज के दो एपिसोड इस दिन जारी कर दिए जाएंगे और अपने सीजन-2 के साथ यह सीरीज दर्शकों को महिलाओं की भावनात्मक, अंतरंग और अनकही दुनिया में ले जाएगी।

'द रॉयल्स' 9 मई से नेटफ्लिक्स पर

मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स और प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस पहिली बार साथ आ रहे हैं, एक ऐसी रॉयल रोम कॉम लेकर जो प्यार, जुनून और दमदार ड्रामा से भरपूर है। शाही हुकुमद्वारा, मोरपुर के राजसिंहासन के ढहते झूमरों के नीचे से जारी किया गया फरमान... 'द रॉयल्स' 9 मई को केवल नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा। किसी ज़माने में, रंगीन शहर मोरपुर में एक शाही परिवार रहता था, जिनके पास खुद की कोई दौलत नहीं थी। फिर आई उनके बीचएक तेज-तर्रार लड़की, जो एक बिल्कुल अलग दुनिया से ताल्लुक रखती है। उसका एक ही मकसद होता है—शाही ज़िंदगी को संवारना। लेकिन मोरपुर पैलेस के 'गरीब राजकुमार' को संभालना, उतना आसान नहीं जितना लगता है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एयू आईवी और एयू इटर्निटी ग्राहकों के लिए शुरू की कंसीयर्ज सेवा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने प्रीमियम बैंकिंग प्रोग्राम्स एयू आईवी और एयू इटर्निटी के ग्राहकों के लिए विशेष कंसीयर्ज सेवा की शुरुआत की है। विशेष रूप से तैयार किया गया यह बैंकिंग प्रोग्राम्स्त्रक्क के प्रतिष्ठित ग्राहकों को बैंकिंग के अलावा, उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करेगा। कंसीयर्ज सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को यात्रा योजनाएं बनाने, अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने और रोजमर्रा के कार्यों में सहायता कराई जाएंगी। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी जीवनशैली के अनुरूप सुविधाजनक और निर्बाध अनुभव प्रदान करना है। यह सेवा एयू एसएफबी के प्रीमियम ग्राहकों को तेज, प्रभावी और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जो ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी।

भारतीय गेहूं उद्योग को वैश्विक पहचान देने के लिए इंदौर में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन

इंदौर। गेहूं और गेहूं उत्पादों के क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने वाले अग्रणी उद्योग संघ व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 आगामी 24-25 अप्रैल को इंदौर के मैरियट होटल में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्तर का कॉन्क्लेव भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गेहूं और गेहूं आधारित उत्पाद- सतत विकास और बाज़ार नेतृत्व के लिए सहयोग विषय पर केंद्रित यह आयोजन, 400 से अधिक उद्योग प्रमुखों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और खाद्य नवाचार में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक साझा मंच प्रदान करेगा।

फिर महंगा हुआ सोना, चांदी में भी उछाल

मुंबई, एजेंसी। अप्रैल महीने में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। यदि आप आज सोना या चांदी खरीदने जा रहे हैं, तो बाजार में चल रहे ताजा भावों पर एक नजर डालना बेहद जरूरी है। शुक्रवार को सोने की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जहां प्रति 10 ग्राम सोना 1140 रुपये महंगा हो गया। हालांकि, चांदी की कीमतों में इस दौरान कोई बदलाव नहीं देखा गया और यह स्थिर बनी रही। शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 को सर्राफा बाजार द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार, 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि 24 कैरेट शुद्ध सोना 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से बिक रहा है। इसके अलावा, 18 कैरेट सोने की कीमत फिलहाल 73,110 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रही है। चांदी की बात करें तो आज 1 किलो चांदी का भाव 1,00,000 रुपये बना हुआ है। इस तेजी के साथ अब सोना 97 हजार के पार और चांदी 1 लाख रुपये प्रति किलो के आंकड़े के आसपास पहुंच गई है। आइए अब जानते हैं कि विभिन्न शहरों में आज के सोने के 18, 22 और 24 कैरेट के लेटेस्ट रेट क्या हैं।

8 कैरेट सोने के ताजा भाव

दिल्ली रुपए 73,120 प्रति 10 ग्राम, कोलकाता और मुंबई: 72,990 प्रति 10 ग्राम **भोपाल और इंदौर:** 73,480 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई 73,910 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने के ताजा भाव: चेन्नई 89,210 रुपए प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौ: 89,160 प्रति 10 ग्राम, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ: 89,360 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई: रुपए 89,210 प्रति 10 ग्राम।

24 कैरेट सोने के ताजा भाव: भोपाल और इंदौर रुपए 97,100 प्रति 10 ग्राम, दल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़: रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई रुपए 97,170 प्रति 10 ग्राम। चेन्नई: रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम।

चांदी की ताजा कीमतें: जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, दिल्ली: रुपए 99,900 प्रति किल, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, केरल 1,09,900 प्रति किलो, भोपाल, इंदौर : 99,900 प्रति किलो।

केंद्र ने अपर सचिव से सचिव स्तर के 3 और अपर सचिव स्तर का एक पद अपग्रेड किया, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने अपर सचिव से सचिव स्तर के 3 और संयुक्त सचिव से अपर सचिव स्तर के एक पद को अपग्रेड किया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अतिरिक्त सचिव से सचिव के समकक्ष स्तर पर पदोन्नत किए गए 3 प्रमुख पदों का कार्यकाल बढ़ा दिया । तीनों वरिष्ठ IAS अधिकारी भारत सरकार में सचिव के पद और वेतन पर कार्यरत हैं। तदनुसार भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक का पद वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय के अधीन अरुण सिंघल के पास 30.04.2025 तक के कार्यकाल के लिए है। यह रेखांकित किया जा सकता है कि अरुण सिंघल भारत सरकार में सचिव के पद और वेतन में महानिदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। सदस्य सचिव , राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड वर्तमान में अर्चना अग्रवाल (ह्रस्र 1990) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत 01.05.2026 तक की अवधि के लिए कार्यरत हैं। यह रेखांकित किया जा सकता है कि अर्चना अग्रवाल भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन में NCRPB के सचिव के रूप में कार्य कर रही हैं।

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एल. जाट बने ICAR के नए महानिदेशक और डेयर सचिव, कृषि क्षेत्र में किए हैं कई बड़े काम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एल. जाट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नए महानिदेशक (डीजी) और कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव नियुक्त किए गये है. कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी इस नियुक्ति को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होकर उनकी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक जारी रहेगी वर्तमान में, डॉ. जाट हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान में उपमहानिदेशक अनुसंधान के पद पर कार्यरत हैं. वे एक जाने-माने सिस्टम एग्रोनोमिस्ट हैं और विकासशील देशों में सिस्टम साइंस के क्षेत्र में उन्हें 25 वर्षों से भी अधिक का अनुभव है. डॉ एमएल. जाट, पूर्व महानिदेशक डॉ हिमांशु पाठक की सेवानिवृत्ति के बाद, आईसीएआर के डीजी और डेयर के सचिव का अहम कार्यभार संभालेंगे. डॉ. पाठक ने आईसीएआर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद 6 मार्च को ICRISAT के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया था. इसके बाद भारत सरकार के कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी को ICAR का महानिदेशक का चार्ज दिया गया था. आईसीएआर के नियमों के अनुसार, कृषि वैज्ञानिकों को सामान्यत: 62 वर्ष की आयु तक सेवा करने की अनुमति है. हालांकि, आईसीएआर के महानिदेशक के पद पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 60 वर्ष निर्धारित है, क्योंकि इस पद पर आसीन व्यक्ति डेयर में सचिव के रूप में भी कार्य करता है. डॉ. जाट की नियुक्ति इन नियमों के अनुरूप ही की गई है।

फ्लैट में रहने वालों की बढ़ी मुसीबतें, मेंटेनेंस पर देना होगा 18 प्रतिशत का जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्लैट में रहने वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है. सरकार हाउसिंग सोसाइटी पर 75,00 रुपये ज्यादा महीने के मेंटेनेंस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रही है. सरकार की ओर से सोसाइटी में रहने वाले लोगों पर मेंटेनेंस शुल्क के तौर पर ज्यादा पैसे वसूले जाएंगे. इसके बाद से सोसाइटी में रहने वाले लोगों की बीच इस बात को लेकर बातचीत हो रही है कि क्या उनकी सोसाइटी या अपार्टमेंट पर भी यह जीएसटी लागू होगा. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने हाउसिंग नियमों में बदलाव किया है, जिसके बाद से जिस अपार्टमेंट का रखरखाव खर्च महीने में 75,00 रुपये से ज्यादा आएगा. या फिर सोसाइटी का कुल मेंटेनेंस खर्च 20 लाख रुपये से ज्यादा होगा, तो उन पर 18 प्रतिशत जीएसटी का नियम का लागू होगा. रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में करीब 50 लाख लोग अपार्टमेंट में रहते हैं, और मैसूर, मंगलुरु, हुबली और बेलगावी जैसे शहरों में कम से कम 40 लाख लोग अपार्टमेंट में रहते हैं. 18 प्रतिशत की जीएसटी का नियम किन फ्लैट्स पर लगेगा. इसके टैक्स ऑफिस से क्लीयर किया जा सकता है. सरकार की ओर से सभी अपार्टमेंट पर जीएसटी को 18 प्रतिशत नहीं लगाया जाएगा. अगर किसी व्यक्ति को यह कन्फ्यूजन है कि उसका फ्लैट या सोसाइटी इस दायरे में आएगी या नहीं, तो इसके लिए वह लोकल ष्टशद्वद्वद्गह्म्ष्द्बड्डद्य टैक्स ऑफिस में जाकर 500 रुपये देकर अपनी सोसाइटी के स्टेटस को चेक कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के बीच यह चर्चा शुरू हो गई है, कि उन्हें क्या अब त्रस्ञ्ज का रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए. अगर इसके तहत एक बार रजिस्ट्रेशन करा लिया, तो उन्हें महीने में 2 बार रिटर्न दाखिल करना होगा. पहला महीने की 11 तारीख को और दूसरा 20 तारीख को. इसके अलावा साल भर का रिटर्न तो भरना ही पड़ेगा. बार-बार रिटर्न भरने पर लोगों को 1-2 लाख रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं.

इंदौर के चौराहों पर विज्ञापन होर्डिंग्स रात से हटने शुरू, उधर अब जागे नेता प्रतिपक्ष, लगाए आरोप

इंदौर। इंदौर में चौराहों पर वाहन चालकों को छांव देने के नाम पर लगाए गए होर्डिंग्स को लेकर एक घोटाला सामने आया था। द सूत्र द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद इन होर्डिंग्स को हटाने का काम शुरू हो गया है। गुरुवार दोपहर में होर्डिंग्स वालों के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त शिवम वर्मा की संयुक्त बैठक के बाद कड़े निर्देश दिए गए और साफ कहा गया कि विज्ञापन तो नहीं चलेंगे। इसके बाद गुरुवार देर रात इन्हें हटाने का काम शुरू हो गया और ग्रीन नेट लगाई जा रही है।

यह विवाद सबसे पहले पलासिया चौराहे पर लगे होर्डिंग्स से ही हुआ था। यहां इंदौर की हैलोवीन पार्टी के मुख्य भूतों (अक्षय बम, जैन व अन्य) द्वारा श्रीधी दूध, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ला व अन्य के विज्ञापन लगाते हुए करीब 400 वर्गफीट का विज्ञापन डोम या जंगला ही खड़ा कर दिया था।

इनकी तैयारी पूरे शहर के हर चौराहे पर यही कांड करने का था। उनके देखादेखी हुकुमचंद घंटाघर, हाईकोर्ट तिराहे पर भी मोयरा सरिया, मदनलाल-छगनलाल ज्वेलर्स, कल्याण ग्रुप ने भी यही तरीका खोजा और 40 से अधिक कंपनियां इसमें तगड़ा मुनाफा देख आगे आ गई। लेकिन अब द सूत्र की खबरों से इस पूरे घोटाले पर रोक लग गई।उधर कांग्रेस के निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे यह सब कांड हो जाने और होर्डिंग्स उतरने की शुरुआत होने के बाद पूरी घटना के सात दिन बाद जागे हैं। उन्होंने अब बयान जारी कर इसे घोटाला बताते हुए इन कंपनियों से एक करोड़ की टैक्स चोरी की राशि निगम खाते में जमा कराने की मांग की है। साथ ही इस घोटाले के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव पर खुलकर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इन कंपनियों को आगे बढ़ाया।

गुरुवार की बैठक में हुआ था तय

1- बड़े-बड़े विज्ञापन लगे हैं, इस पर क्या होगा?

तय- यह हटेंगे, इन होर्डिंग्स में जो संगठन सौजन्य से यह काम कर रहा है, केवल उनका नाम रहेगा और इसकी भी एक जगह एक पट्टी अलग तय होगी। इसमें विज्ञापन नहीं होंगे।

2- स्ट्रक्चर की मजबूती का क्या होगा?

तय- इसकी जांच होगी, निगम का इंजीनियर इसे देखेगा, साथ ही एक पांच सदस्यीय कमेटी रहेगी, इसमें निगम के अधिकारी, इंजीनियर के साथ मानव कल्याण संगठन के विनी बड़जात्या व अन्य होंगे। जो सभी मुद्दे को समझकर नियमों के तहत आगे बढ़ेगी

3- ट्रैफिक को लेकर क्या स्थिति होगी?

तय- कमेटी ही देखेगी कि स्ट्रक्चर इस तरह से हो कि ट्रैफिक प्रभावित नहीं हो। यह स्ट्रक्चर लगने से रोड की चौड़ाई प्रभावित नहीं हो।

आयकर विभाग में 17 अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

भोपाल। आयकर विभाग में अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 17 अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इन तबादलों में अंजू अरोरा पीसीआइटी भोपाल को एक विंग से दूसरे जोन में भेजा गया हैं। राहुल रमन पीसीआइटी इंदौर को एक विंग से दूसरे विंग में इंदौर में ही भेजा गया है। इसी प्रकार सुनील कुमार सिंह को रायपुर में एक विंग से दूसरे विंग में भेजा है। किशोर बी. को दिल्ली से भोपाल पीसीआइटी सेंट्रल बनाकर भेजा है। प्रदीप हेडाऊ ओएसडी से इंदौर सीसीआइटी बनाकर भेजा है। राजाराम शाह को दिल्ली से पीसीआइटी उज्जैन, माया माहेश्वरी को पीआर एडीजी (एनएडीटी आरसी) भोपाल से पीसीआइटी मुंबई, सुखवीर चौधरी पीसीआइटी गुवाहाटी से पीसीआइटी ग्वालियर और मुनीश कुमार पीसीआइटी रायपुर पदस्थ किए हैं। रुजनी मोहंती को एडीजी भोपाल पदस्थ किया गया है। इसी तरह कोलाकलूरी रवि किरन पीडीआइटी रायपुर बनाए गए हैं।

क्रॉम्पटन ने महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

मुंबई, एजेंसी। पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डरमिलाहै। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जलपंपिंगसमाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभकरने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा। कंपनी की मज़बूत सेवा नेटवर्क, सक्षम चैनल पार्टनर और प्रदर्शन की विश्वसनीय विरासत इसे इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के लिये जिला दण्डाधिकारी ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल, 2025 को मुरैना जिले के भ्रमण पर रहेंगे। संपूर्ण कार्यक्रम में व्यवस्थाओं को मूर्तरूप देने के लिये कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात एवं ट्राफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ को सौंपी है। संपूर्ण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं प्रोटोकॉल तथा भ्रमण के समय कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये अपर जिला दण्डाधिकारी, हेलीपेड पर साफ-सफाई, चूना, फायर बिग्रेड, पेयजल, सांकेतिक निशान, निर्धारित रूट की जिम्मेदारी आयुक्त नगर निगम, जनपद सीईओ मुरैना को, संपूर्ण वाहन व्यवस्था एवं ट्रेफिक, क्रेन के लिये क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी श्री संतोष भदौरिया को जिम्मेदारी सौंपी है।

आरसीबी ने दिल्ली हाईकोर्ट में उबर के खिलाफ दायर किया मुकदमा

आईपीएल 2025 के बीच ट्रेविस हेड के विज्ञापन पर बवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के रोमांच के बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एक बड़ा लीगल कदम उठाया है। ऋष्टक्क ने उबर इंडिया के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी ट्रेविस हेड से जुड़े एक विज्ञापन पर ट्रेडमार्क के दुरुपयोग और ब्रांड की छवि खराब करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला Baddies in Bengaluru नामक उबर मोटो के यूट्यूब विज्ञापन से जुड़ा है, जिसे 1.3 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। ऋष्टक्क ने दिल्ली हाई कोर्ट में उबर के खिलाफ दायर किया मुकदमा के तहत यह मामला नामक उबर मोटो के यूट्यूब विज्ञापन से जुड़ा है, जिसे 1.3 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। आइए, इस विवाद की पूरी जानकारी सरल भाषा में समझें।

RCB Filed Case Against Uber आधार उबर मोटो का 59 सेकंड का विज्ञापन है, जिसमें ट्रेविस हेड को बेंगलुरु के स्टेडियम में लिखते दिखाया गया है। ऋष्टक्क का कहना है कि यह उनके आधिकारिक नाम और मशहूर नारेइस साल कप हमारा है का अपमान करता है। ऋष्टक्क की वकील श्वेताश्री मजूमदार ने कोर्ट में कहा, यह विज्ञापन हमारी ब्रांड वैल्यू को नुकसान पहुँचाता है और ट्रेडमार्क का गलत इस्तेमाल है। ट्रेविस हेड, जो पहले ऋष्टक्क के साथ थे, को ऐसा करने से हमारी फैनबेस में गलत संदेश जाता है कोर्ट में जस्टिस सौरभ बनर्जी ने प्रारंभिक तौर पर माना कि विज्ञापन में कुछ बदलाव की जरूरत है और अंतरिम निषेधाज्ञा पर फैसला सुरक्षित रखा।

उबर ने अपना बचाव करते हुए कहा कि यह विज्ञापन मजाकिया और रचनात्मक है, जो बेंगलुरु के ट्रैफिक और उबर मोटो की तेज सेवा को हाइलाइट करता है। उबर के वकील ने दलील दी, विज्ञापन में ÒRoyally ChallengedÓ का मतलब है कि SRH, ऋष्टक्क को 13 मई के मैच में कड़ी चुनौती देगा। यह कॉमर्शियल फ्री स्पीच का हिस्सा है और ऋष्टक्क ने भारतीय दर्शकों के हास्य को कम आँका है। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञापन में ऋष्टक्क का ट्रेडमार्क सीधे इस्तेमाल नहीं हुआ, बल्कि ÒBengaluru vs HyderabadÓ एक सामान्य उल्लेख है। जस्टिस बनर्जी ने टिप्पणी की, यह विज्ञापन पर निर्भर है। अलग-अलग लोग इसे अलग तरह से देख सकते हैं। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा।

ऋष्टक्क और उबर का पक्ष- क्या है असली मुद्दा? ऋष्टक्क का तर्क है कि उबर, जो स्क्र॥ का कमर्शियल स्पॉन्सर है, ने उनके ट्रेडमार्क का गलत इस्तेमाल कर उनकी छवि को नुकसान पहुँचाया। ऋष्टक्क के फैंस ने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को अपमानजनक बताया, जिससे ऑनलाइन मजाक उड़ा। ऋष्टक्क की वकील ने कहा, हास्य में कोई दिक्कत नहीं, लेकिन हमारी ब्रांड वैल्यू का इस्तेमाल बिना इजाजत नहीं हो सकता। दूसरी ओर, उबर का कहना है कि यह विज्ञापन सिर्फ हल्का-फुल्का मजाक है, जो ढ्ढक्क के उत्साह को भुनाने के लिए बनाया गया। उबर ने इसे प्रीपोस्टरस (बेतुका) करार देते हुए कहा कि ऋष्टक्क को हास्य के साथ जवाब देना चाहिए, न कि मुकदमे से। 025 के बीच एक नया मोड़ ला दिया है। यह मामला ब्रांडिंग, ट्रेडमार्क, और विज्ञापन की सीमाओं पर सवाल उठाता है। अगर कोर्ट ऋष्टक्क के पक्ष में फैसला देता है, तो उबर को विज्ञापन हटाना पड़ सकता है या उसमें बदलाव करना होगा। वहीं, उबर के पक्ष में फैसला आने पर यह विज्ञापन और ऐसे रचनात्मक कैंपेन को बढ़ावा मिल सकता है। सोशल मीडिया पर फैंस बँटे हुए हैं—कुछ ऋष्टक्क के कदम को सही मान रहे हैं, तो कुछ इसे हास्य का हिस्सा बता रहे हैं। क्या यह विवाद ऋष्टक्क की ब्रांड वैल्यू को और मजबूत करेगा, या उबर का मजाकिया अंदाज जीत हासिल करेगा? कोर्ट का फैसला बताएगा।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898 RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)